

दिन भर रहेगा शुभ संयोग, धूमधाम से होगी भगवान श्रीहरि की पूजा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

सावन माह की पहली एकादशी द्विपुष्कर और हर्षण योग का महासंयोग रविवार को रहेगा। ज्योतिषियों के अनुसार सावन मास के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी पर द्विपुष्कर योग और हर्षण योग का अत्यंत शुभ संयोग बन रहा है। सावन का पवित्र महीना और भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की कृपा के कारण यह एकादशी कई राशियों के लिए भाग्यवर्धक और धन-धान्य में वृद्धि लाने वाली साबित होगी। यह पर्व भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु एवं धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष आराधना की जाती है। यह चातुर्मास की दूसरी एकादशी होती है, जिसमें भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं। हालांकि, श्रीहरि के योग निद्रा में होने से पूजा में कोई बदलाव नहीं होता है।

द्विपुष्कर और हर्षण योग के महासंयोग में सावन की पहली कामिका एकादशी आज

कामिका एकादशी

पंचांग के अनुसार श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 8 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 59 मिनट पर प्रारंभ हो गई। इसका समापन 9 अगस्त को रविवार सुबह 11 बजकर 04 मिनट पर होगा। उदया तिथि के कारण कामिका एकादशी का व्रत रविवार को रखा जाएगा। वहीं इस एकादशी व्रत का पारण का समय 10 अगस्त को सुबह 5 बजकर 47 मिनट से लेकर सुबह 08 बजे तक होगा।

एकादशी पूजा शुभ मुहूर्त

एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 22 मिनट लेकर सुबह 5 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। वहीं इस दिन अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना बहुत ही शुभ और फलदायी होता है। दोपहर 12 बजे से लेकर 12 बजकर 53 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा। विजय मुहूर्त की बात करें तो दोपहर 2 बजकर 40 मिनट से लेकर 3 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 7 बजकर 6 मिनट से लेकर 7 बजकर 27 मिनट तक, अमृतकाल मुहूर्त 6 बजकर 42 मिनट से लेकर 08 बजकर 09 मिनट तक रहेगा। इस मुहूर्त एकादशी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधि-विधान के साथ करना फलदायी रहेगा।



खबर संक्षेप

जैन स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित

भोपाल। साध्वी डॉ. कुमुदलता म.सा. के सान्निध्य में भोपाल के मंत्र गुरु ज्योतिषाचार्य संजय लोढ़ा जैन को उनके अद्वितीय आध्यात्मिक योगदान, मंदिर निर्माण एवं मंत्र हीलिंग सेवाओं के लिए स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सर्टिफिकेट ऑफ रिकग्निशन से सम्मानित किया गया। लोढ़ा जैन वर्ष 1998 से श्री घंटाकर्ण महावीर की भक्ति, सेवा एवं साधना में निरंतर समर्पित हैं। लोढ़ा जैन देश-विदेश में अनेक श्रद्धालुओं को मंत्र हीलिंग, आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं सेवा प्रदान कर रहे हैं। उनके इन उल्लेखनीय कार्यों को सम्मानित करते हुए स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

70 मेधावी छात्र ब्रज दर्शन एवं गिरिराज रवाना

भोपाल। जनसेवा और धार्मिक आस्था के संगम के रूप में लगातार आयोजित की जा रही निःशुल्क ब्रजदर्शन एवं गिरिराज जी परिक्रमा यात्रा के 27 वें चरण के तहत शनिवार को 70 मेधावी छात्र-छात्राओं व 300 परिजनों के साथ भोपाल स्टेशन से रवाना हुए। उनके साथ 300 परिजन भी ब्रजभूमि और गिरिराज की परिक्रमा के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के रहने, भोजन और दर्शन की संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क व सुचारु रूप से की गई है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने बताया कि राहुल गांधी की छात्रों की गूंज और सोच को जमीन पर उतारते हुए 27वें चरण के तहत यात्रा को रवाना किया गया।

गंदगी और पॉलीथीन पर बनाए 91 चालान

भोपाल। नगर निगम के अमले शनिवार को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में स्वच्छता और प्रतिबंधित



गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 91 प्रकरणों में 18,600 रुपए का जुर्माना वसूला। यह कार्रवाई जून-13, 14, 15 और 16 में की गई। निगम के अनुसार जून-13 में 30 प्रकरणों में 5,000 रुपए, जून-14 में 25 प्रकरणों में 3,500 रुपए, जून-15 में 31 प्रकरणों में 9,500 रुपए और जून-16 में 5 प्रकरणों में 600 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

आधारशिला साईं बाबा मंदिर से डायरेक्टर एसएम रामनाथन ने दी पालकी को विदाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

आधारशिला स्थित श्री साईं बाबा मंदिर से शनिवार को भोपाल से शिरडी तक की पैदल श्री साईं बाबा पालकी यात्रा का श्रद्धा, संकल्प और उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। पालकी यात्रा को डायरेक्टर एसएम रामनाथन ने साईं बाबा का पूजन कर यात्रा को विधिवत विदाई दी। इस अवसर पर महाजन जी ने 30 मिनट में पांच हजार बेंच पुश अप लगाकर अपने संकल्प और शारीरिक सामर्थ्य का अनूठा प्रदर्शन



किया। उन्होंने यह संकल्प वर्ष 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 411 सीटों से विजयी होने की मनोकामना के साथ लिया। इसी मनोकामना को लेकर उन्होंने भोपाल से शिरडी तक की पैदल

यात्रा का शुभारंभ किया। पालकी यात्रा के शुभारंभ अवसर पर हेवू भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कमलेश नापुंरे सहित यूनिन के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान साईं बाबा के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पालकी यात्रा में शामिल यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा के निर्वहण एवं सफल संपन्न होने की मंगलकामना की। भोपाल से शिरडी तक की यह पैदल पालकी यात्रा श्रद्धा, आस्था, संकल्प और देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ेगी। यात्रियों द्वारा साईं बाबा से देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की प्रार्थना की जाएगी।

श्री सत्य साईं सेवा संगठन ने 350 से ज्यादा पौधे रोपे

भोपाल। श्री सत्य साईं सेवा संगठन, शांतिवन, भोपाल द्वारा पश्चिम मध्य रेल के कोच फैक्ट्री प्रबंधन के सहयोग से जयंत सिंहा पार्क, रेल आवासीय परिसर में वृहद पौधरोपण किया। इस पौधरोपण में 350 से ज्यादा पौधों का रोपण रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं साईं भक्तों द्वारा किया गया एवं उन्हें सतत रूप से संरक्षित एवं संवर्धित करने का संकल्प भी लिया।



भगवान श्री सत्य साईं बाबा के जन्मशती वर्ष तक पूरे भारत वर्ष में 10 करोड़ पौधे रोपित कर भगवान के चरणों में अर्पित करने का संकल्प लिया। इस पौधरोपण

का शुभारम्भ मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल कोहड़े, श्री सत्य साईं संगठन मध्यप्रदेश के ट्रस्टी केके नायर एवं विजय संपत द्वारा आम का पौधा लगाकर किया।

कल नर्मदा जल से होगा भगवान पशुपतिनाथ का महाअभिषेक



यात्रा में 350 से अधिक कांवड़िए शामिल हैं, जिन्होंने नर्मदा से पवित्र जल लेकर

भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पदयात्रा प्रारंभ की है। कावड़ यात्री 7 अगस्त को रात्रि 8 बजे पवित्र जल लाने के लिए पशुपतिनाथ मंदिर गोविन्दपुरा से नर्मदापुरम के लिए रवाना हुए। 8 अगस्त को प्रातः 5 बजे बुधनी घाट से कावड़ यात्रा का शुभारंभ हो गया। पहले दिन यात्रा मंडीदीप पहुंचेगी जहां रात्रि विश्राम होगा। दूसरे दिन 9 अगस्त को प्रातः 5 बजे कावड़ यात्रा मंडीदीप से भोपाल के लिए रवाना होगी।

रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन का कार्यक्रम ग्रहण सम्पन्न



भोपाल। रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन की कार्यकारिणी 2026-2027 का शपथ ग्रहण कार्यक्रम मुख्य अतिथि धीरज गोयल जोनल हेड के आतिथ्य में होटल आर्चर्ड ब्लेस एमपी नगर में संपन्न हुआ। नव निर्वाचित कार्यकारिणी को अभिधान अधिकारी रोटेरियन एसके भार्गव ने शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने कहा कि रोटरी सेवा कार्य से सबको संतुष्ट मिलती है। यह विश्व का सबसे बड़ा सेवाभावी संगठन है। इसके सदस्य होना गर्व का विषय है। अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हो रहे हेमसिंग गुजर ने अपने कार्यकाल में किए गए प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी, जिसमें दिबांग बच्चों के लिए टीटी नगर स्टेडियम राज्य स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता उल्लेखनीय है। निर्वाचित अध्यक्ष तरुणा तनुजा ने आगामी वर्ष में किए जाने वाले सेवा प्रकरणों को जानकारी दी और कहा कि पर्यावरण संरक्षण पौधरोपण एवं विशेष बच्चों पर प्राथमिकता से कार्य करेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंडलाध्यक्ष कर्नल महेंद्र मिश्रा, आलोक बिल्लौर, नरेंद्र जैन, जिन्हें नैन, वरिष्ठ रोटेरियन जीके छिब्वर एवं भोपाल के अन्य रोटरी क्लबों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुधांशु उपाध्याय एवं अमित तनेजा ने किया।

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में संगीत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

ट्रिपल आईटी में आईटीबीपी के पाइप बैंड ने दी मनमोहक प्रस्तुति



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) कैम्पस में भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पाइप बैंड टीम ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम ट्रिपल आईटी भोपाल और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। संस्थान के कुलसचिव मनीष झोकरकर ने आईटीबीपी पाइप बैंड टीम के नेतृत्वकर्ता इम्पेक्टर/जनरल ड्यूटी सत्येंद्र सिंह रघुवंशी का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम के समापन अवसर पर कुलसचिव मनीष झोकरकरने पुनः मंच पर आकर इम्पेक्टर/जनरल ड्यूटी सत्येंद्र सिंह रघुवंशी को स्मृति-चिन्ह भेंट कर बैंड टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रघुवंशी ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। संचालन संस्थान के विद्यार्थियों अलख मिश्रा एवं हर्ष आनंद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्र भक्ति गीतों से गुंजा सभागार

इसके बाद बैंड टीम ने वंदे मातरम की प्रस्तुति से कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की, जिसके साथ ही उपस्थित सभी अतिथियों और विद्यार्थियों ने खड़े होकर राष्ट्रगीत में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। बैंड टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक चले इस संगीतमय कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक देशभक्ति रचनाएं प्रस्तुत कीं। इनमें कदम कदम बढ़ाए जा, सारे जहां से अच्छा,

ऐ मेरे वतन के लोगों, ऐ वतन ऐ वतन, संदेशो आते हैं, तेरी मिट्टी में मिल जावां, जैसे लोकप्रिय गीत शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि केन्द्रीय सीमान्त मुख्यालय, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की इस पाइप बैंड टीम ने अनेक गणतंत्र दिवस परेडों तथा राज्य-स्तरीय आयोजनों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किए हैं।

मप्र एसटीएसएफ ने आठवें शिकारी को किया गिरफ्तार

तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी का मामला



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राज्य में वन्यजीव तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी के संगठित गिरोह के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने एक और आरोपी शिकारी को गिरफ्तार किया है। उत्तरप्रदेश के आगरा से 23 जुलाई को पकड़े गए इस शिकारी

गिरोह का यह आठवां सदस्य है। आरोपी के कब्जे से तेंदुए का कंकाल, दूसरे अंग और शिकार में प्रयुक्त फंदे बरामद किए गए हैं। आरोपी की पहचान मन्नु नाथ के पुत्र, ग्राम हासई, जिला मुरैना निवासी के रूप में की गई है। उसे विशेष न्यायालय से रिमांड पर लेकर पुछताछ की गई। आरोपी की निशानदेही पर मुरैना के बीहड़ों में गाड़कर रखा गया वन्यजीव तेंदुए का कंकाल विधिवत जब्त किया गया। अंतर्राज्यीय शिकार एवं तस्करी गिरोह के विरुद्ध यह एसटीएसएफ के विशेष अभियान में 23 जुलाई को उत्तरप्रदेश के आगरा में तेंदुए की 10 खातों के साथ शिकारी तस्करी को पकड़ा गया था।

2029 में प्रधानमंत्री मोदी की 411 सीटों की विजय की मनोकामना का अनूठा प्रदर्शन

पांच हजार बेंच पुशअप के साथ भोपाल से लेकर शिरडी तक की पैदल पालकी यात्रा शुरू

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल



किया। उन्होंने यह संकल्प वर्ष 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 411 सीटों से विजयी होने की मनोकामना के साथ लिया। इसी मनोकामना को लेकर उन्होंने भोपाल से शिरडी तक की पैदल

यात्रा का शुभारंभ किया। पालकी यात्रा के शुभारंभ अवसर पर हेवू भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कमलेश नापुंरे सहित यूनिन के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान साईं बाबा के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पालकी यात्रा में शामिल यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा के निर्वहण एवं सफल संपन्न होने की मंगलकामना की। भोपाल से शिरडी तक की यह पैदल पालकी यात्रा श्रद्धा, आस्था, संकल्प और देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ेगी। यात्रियों द्वारा साईं बाबा से देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की प्रार्थना की जाएगी।

श्री सत्य साईं सेवा संगठन ने 350 से ज्यादा पौधे रोपे

भोपाल। श्री सत्य साईं सेवा संगठन, शांतिवन, भोपाल द्वारा पश्चिम मध्य रेल के कोच फैक्ट्री प्रबंधन के सहयोग से जयंत सिंहा पार्क, रेल आवासीय परिसर में वृहद पौधरोपण किया। इस पौधरोपण में 350 से ज्यादा पौधों का रोपण रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं साईं भक्तों द्वारा किया गया एवं उन्हें सतत रूप से संरक्षित एवं संवर्धित करने का संकल्प भी लिया।



भगवान श्री सत्य साईं बाबा के जन्मशती वर्ष तक पूरे भारत वर्ष में 10 करोड़ पौधे रोपित कर भगवान के चरणों में अर्पित करने का संकल्प लिया। इस पौधरोपण

का शुभारम्भ मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल कोहड़े, श्री सत्य साईं संगठन मध्यप्रदेश के ट्रस्टी केके नायर एवं विजय संपत द्वारा आम का पौधा लगाकर किया।

HF Deluxe

बाइक दमदार

दाम शानदार

नई एक्स-शोरूम कीमत

₹59 999/-

₹7 451/-* की बचत

कम डाउन पेमेंट

₹5 999/-

चंदी का सिक्का जीतने का मौका*

pine labs कैशबैक

₹5 000/- तक#

टोल फ्री 1800 266 0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase- II, New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Madhya Pradesh. *Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलर: **भोपाल:** चरेण्यम हीरो (प्रभात पेट्रोल पंप, रायसेन रोड 9289922466, जे.के. रोड 8959905381), **साँई हीरो** (डी.आई.जी. बंगला, बैरसिया रोड) 9289922685, **यूनाइटेड हीरो** (कोहेंफिजा) 9289923150, **बैतूल:** खण्डेलवाल हीरो 9289922624, **सीहोर:** मंत्री हीरो (कन्हैयालाल मंत्री पेट्रोल पंप, इंदौर नाका) 9522257567, **ब्यावरा:** आनंद हीरो 9289922871, **गुना:** गगन हीरो 9289922358, **अशोक नगर:** आरव हीरो 9821743269, **होशंगाबाद:** पुण्यशिला हीरो 9289922360, **हरदा:** राहुल हीरो 9289922491, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **दमोह:** इण्डिया ऑटो हीरो 9289922573, **सागर:** सेन्द्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376, **टीकमगढ़:** आनंद हीरो 9289923112, **छतरपुर:** आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), **ग्वालियर:** तनुष्का हीरो (सिटी सेंटर 9289922371, मुरार 4099928, कम्पू 4072000), **तरन अंगद हीरो** (फूलबाग 9289922483, सखियाँ विलास 2438534), **भिन्ड:** शिवम हीरो 9289922787, **दतिया:** शिव हीरो 9289923172, **मुठेना:** गगन हीरो 9289922678, **श्योपुर:** आशीष हीरो 9289922832, **शिवपुरी:** रघुवंशी हीरो 9289922571, **इंदौर:** सुखमणी हीरो (अन्नपूर्णा रोड) 9289922719, **वी.एन. हीरो** (एयरपोर्ट रोड) 9289923061, **सेठी ऑटोमोबाइल्स** (भवटकुआँ) 9289923211, **रुक्मारानी ऑटोमोटिव** (एलआईजी स्क्वायर के पास) 8871444414, **मेहता ऑटोमोबाइल्स** (देवास नाका), 9821741577, **बड़वानी:** शर्मा हीरो 9289922742, **बुरहानपुर:** श्रीजी हीरो 9289922372, **देवास:** खुराना हीरो (ए.बी. रोड 9289922488, गंगानगर 9993596392), **धार:** साक्षी हीरो 9289922618, **हाट पिपलिया:** श्रीराम हीरो 9289923154, **झाबुआ:** नाकोड़ा हीरो 9289922679, **कुक्षी:** अन्नपूर्णा हीरो 9289922749, **खण्डवा:** ठक्कर हीरो 9289923018, **खरगोन:** निमाड़ हीरो 9289922378, **महू:** लक्ष हीरो 9289923176, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **सनावद:** राजेश हीरो 9289922774, **रतलाम:** एक्सीलेन्ट हीरो (महू रोड 9289922375, सैलाना रोड 07412-408600) **नीमच:** उत्तम हीरो 9289922367, **मन्दसौर:** रामदर्शन हीरो 9289922369, **जावरा:** टिलायबल हीरो 9289923045, **एमोशिफ्ट डीलर:** आप्टा: श्री रघुवीर मोटर्स 9893018553, 7428594671, **बगदोना:** आर्यन्स इन्टरप्राइजेज 7428594665, **बरेली:** श्री सूर्योदय हीरो 9826832251, 9098960970, **भोपाल:** मानिक मोटर्स 8827379110, **मंडीदीप:** सोनी मोटर्स, 9179461211, 8962143877, **बंडा:** श्रुति मोटर्स, 7879573737, **नसरुल्लागंज:** जीवन मोटर्स 9977926838, **गंजबासोदा:** ध्रुव इन्टरप्राइजेज 9826867673, **इटावरसी:** देवा मोटर्स 9425630406, **जतारा:** शारदा माँ ऑटोमोबाइल्स 9111231539, **करेरा:** आदित्यसागर इन्टरप्राइजेज 9425436890, 7428492559, **पिपरिया:** राज मोटर्स 7576454997, **नरसिंहगढ़:** गुरुकृपा मोटर्स 9303416007, 7428595910, **पचौर:** प्रिंस ऑटोमोबाइल्स 9755131010, **रायसेन:** युवराज मोटर्स 7828500001, 7428595899, **वीना:** राहुल ऑटोमोबाइल्स 9893494971, **टीकमगढ़:** एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, **खरगापुर:** हरिओम ऑटोमोबाइल्स 9993267954, **राधोगढ़:** बृजेश इंटरप्राइजेज 7999006113, **ध्यामपुर:** गोपी मोटर्स 9111009671, **लठेरी:** श्याम हीरो 7748890061, **जामनेर:** अरुण सेल्स एंड सर्विस 9893626185, **सिंदौर:** प्रिया इंटरप्राइज, 9425344557, **सिराली:** भायरे मोटर्स, 9981247007, **टिमरनी:** गंगोत्री मोटर्स, 9755101902, **अम्बाह:** उमा ऑटोमोबाइल्स 9329683351, **इबरा:** दुर्गा एजेन्सी 9926746001, **पिछोर:** दशमेश ऑटोमोबाइल्स 9425490424, **सबलगढ़:** शिवम मोटर्स 9893085461, **कोलारस:** भूपेंद्र इंटरप्राइजेज 9425769569, **बैराड़:** लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स 9893075206, **बदरवास:** बालाजी इंटरप्राइजेज 9893670277, **गोहद:** ओम साई मोटर्स 8358994876, **लहारा:** लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स सर्विस 9770444999, **अलीराजपुर:** विजय ऑटोमोबाइल्स 9993912143 **अंजड़:** न्यू निमाड़ मोटर्स 9425416084, **बदनावर:** नप्पी ऑटोमोबाइल्स 9111841851, **वेड़िया:** कृष्णा मोटर्स 7428494667, **वामनियां:** अनुश्री ऑटोमोबाइल्स 9630703344, **छनेरा:** गुरुनानक मोटर्स 7428390286, **बेटमा:** अंकित ऑटोमोबाइल्स 9826460777, **धामनोद:** अमृत ऑटोमोबाइल्स 9425088316, **इंदौर:** क्वालिटी ऑटोमोबाइल्स 8602295522, **मुंडी:** अभिषेक मोटर्स 7428390273, **पानसेलम:** हीरा ऑटोमोबाइल्स 7428494666, **पेटलावद:** भंडारी अभिकरण 9977287143, **धरमपुरी:** कृष्णा ऑटोमोबाइल्स 9993906745, **राऊ:** अवनि ऑटोमोबाइल्स 9826906983, **सैंधवा:** डीलक्स मोटर्स 7428295060, **निवाली:** श्री वल्लभ मोटर्स, 9893501517, **नागदा:** कांठेड़ ऑटोमोबाइल्स 911141177, **पुंजापुरा:** पटेल मोटर्स 9755567226, **सतवास:** शिवम मोटर्स 9826088351, **सिंधोर:** आकाश मोटर्स 7428494665, **सोनकच्छ:** भारत मोटर्स 9826607753, **घाटाबिल्लौद:** लक्ष्मी मोटर्स 9826524005, **खाचरोद:** जय गणेश ऑटोमोबाइल्स 8305827074, **मांगलिया:** श्री साई मोटर्स 8962460729, 8889415553, **जौरा:** विजयानंद मोटर्स 9754451762, **राणापुर:** सिद्ध धीला ऑटोमोबाइल्स, 8770264612, **जोबट:** धारा ऑटोमोबाइल्स, 9615908908, **सोंडवा:** राज ऑटोमोबाइल्स, 9754260982, **क्षिप्रा:** श्री शिव हरि मोटर्स, 7771088838, **सूखलिया इंदौर:** आर्यन मोटर्स, 9399928958, **कांटाफोड़:** रुखमणी मोटर्स, 9993048891, **नीलबड़:** महाकाल मोटर्स, 9586778889, **तीन इमली:** न्यू गीतांजलि मोटर्स, 6267121700, **नेहरू नगर:** रुद्र इंटरप्राइजेज, 9039011650, 51,52,53, **गांधीनगर:** आर जे मोटर्स, 8827588411, **रुनेहलतागंज:** साहू ऑटोमोबाइल्स, 9926977784, **अमझेरा:** महावीर ऑटोमोबाइल्स, 9589890703, **सागीर कुटी:** अमन ऑटोमोबाइल्स, 9039055993, **जावद:** शिवाय इंटरप्राइजेज, 9752346321, **रानीसिंह:** गुरुकृपा ऑटोमोबाइल्स, 9753044683, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) **गुना:** गगन हीरो 9289922358, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **भिन्ड:** शिवम् मोटर्स 9289922787, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **छनेरा:** गुरुनानक मोटर्स 7428390286, **सारंगी:** श्री मोटर्स, 9340927342, **सीतामऊ:** तिरुपति मोटर्स, 9753008855, **पिपलिया मंडी:** नवपद मोटर्स, 9479861211, **दलोदा:** जेएस मोटर्स, 9926600906.

टीटी नगर स्टेडियम से शुरु होगा कार्यक्रम



फाइल फोटो।

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आज भोपाल में करेंगे तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ताओं के साथ हजारों की संख्या में आमजन होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल तथा भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह 9 अगस्त, रविवार को सुबह 8 बजे भोपाल जिला द्वारा टीटी नगर स्टेडियम से आयोजित तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करेंगे।

तिरंगा यात्रा का न्यू मार्केट, रोशनपुरा सहित विभिन्न मार्गों पर भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात तिरंगा यात्रा पुनः टीटी नगर स्टेडियम पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। तिरंगा यात्रा में पार्टी के प्रदेश व जिला पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समाज के सभी वर्गों के लोग तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक: प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतुल भाजपा जिला कार्यालय 'विजय भवन' में 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर बैठक को संबोधित किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को पार्टी कार्यकर्ता जन-जन का अभियान बनाएं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक होता है। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जनमार्गद्वारी के साथ सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यात्रा में विशेष रूप से पूर्व सैनिक, समाज के प्रभावी व्यक्तित्व व प्रमुखजन को आमंत्रित कर शामिल किया जाए।

हर बूथ के हर घर में तिरंगा पहुंचाया जाए

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक नागरिकों को 'हर घर तिरंगा' अभियान में सहभागी बनाएं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाते हुए सभी बूथों के प्रत्येक घर, परिवार और समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

केंद्रीय मंत्री बोले, ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत संस्कृति कार्य समूह की बैठकों का सुव्यवस्थित क्रम हुआ आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में आए देशों के बीच व्यावहारिक दीर्घकालिक सहयोग का रास्ता खुलेगा: शेखावत

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भोपाल में आयोजित हुआ ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन इसमें शामिल देशों के बीच व्यावहारिक और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत संस्कृति कार्य समूह की बैठकों का एक सुव्यवस्थित क्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक 29-30 अप्रैल को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई, दूसरी बैठक 4-5 जून को वाराणसी में और तीसरी बैठक 5-6 अगस्त को भोपाल में आयोजित की गई। इन बैठकों के गहन विचार-विमर्श का समापन 8 अगस्त को भोपाल में आयोजित 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक के साथ हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से 'भोपाल घोषणा पत्र' को पारित किया गया। शेखावत भोपाल में सम्मेलन के समापन के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद थे।

सम्मेलन प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खास बातें

- भोपाल घोषणा पत्र से वैश्विक सांस्कृतिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा
- पहली बैठक वर्चुअल, दूसरी वाराणसी और तीसरी बैठक भोपाल में की गई आयोजित



सीएम और केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने ब्रिक्स मीटिंग के बाद प्रेस ब्रीफिंग की।

ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच प्रगाढ़ हुई सांस्कृतिक साझेदारी

सीएम ने कुशाम्बाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों और संस्कृति कार्य समूह की बैठकों के समापन अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कहा कि न केवल ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी प्रगाढ़ हुई है, बल्कि मध्यप्रदेश के पर्यटन, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली। ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों एवं वैश्विक प्रतिनिधियों का सम्मेलन संपूर्ण राज्य के लिए अत्यंत गर्व और गौरव का विषय है।

आयोजन का साक्षी और मेजबान बनकर गौरवान्वित हुआ मप्र

सीएम ने कहा कि भारत की यह प्राचीन अवधारणा विश्व शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण की पक्षधर रही है। मप्र इस आयोजन की मेजबानी कर गौरवान्वित हुआ है। मप्र की आध्यात्मिक वेदाना, ऐतिहासिक स्थापत्य कला और जनजातीय विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी विदेशी मेहमानों को राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति, विशिष्ट व्यंजनों और आत्मीय आतिथ्य का एक अलौकिक अनुभव प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ब्रिक्स देश के प्रतिनिधियों और अन्य डेलिगेट्स का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्री शेखावत का स्वागत किया और उनके प्रति केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा इस अभिनव आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। भोपाल में सम्मेलन के दौरान 6 और 7 अगस्त को भोपाल में 'ब्रिक्स संस्कृति महोत्सव' का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बेलायत, ब्राजील, इंडोनेशिया, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और भारत के कलाकारों ने अपनी-अपनी पारंपरिक एवं लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से प्रस्तुत की गई 'अमृतस्य मध्यप्रदेश' नृत्य नाटिका रही। 35 मिनट की इस भव्य प्रस्तुति में 125 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया।



विदेश जाने वाले प्रदेश के लोगों को नहीं होगी परेशानी, बीस देशों में सेवाएं दे रहे प्रदेश के एक हजार एनआरआई इंटरनेशनल फ्लाइट, वीजा सेंटर शुरु कराने सीएस से मिले एनआरआई

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

प्रदेश को बाहरी देशों से जोड़ने के लिए राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विदेशी उड़ानें शुरू कराने भारतीय संगठन एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से भेंट की, जिसमें प्रदेश के एक हजार से अधिक एनआरआई से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने सीएस से भोपाल में वीजा सेंटर खोलने की भी मांग रखी।

सीएस ने बताया कि राजधानी का एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से लैस है। विदेशी उड़ानों के लिए



एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के पदाधिकारियों ने सीएस वर्णवाल से भेंट की।

प्रयास किया जा रहा है। एनआरआई संगठन के संस्थापक आबिद फारूकी ने बताया कि प्रदेश के एक हजार से अधिक एनआरआई ब्रिटेन, अमेरिका, दुबई, फ्रांस, बेल्जियम समेत 20 देशों में रहते हैं।

इसके साथ नए लोग भी विदेशों में काम को लेकर जाते रहते हैं। ऐसे में भोपाल से इंटरनेशनल फ्लाइट और वीजा सेंटर नहीं होने से उन्हें मुंबई और दिल्ली में संपर्क करना पड़ता है। इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू होने से प्रवासी भारतीयों को सुविधा मिलने के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार, निवेश और प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

देश के लोगों के लिए एनआरआई एकजुट

प्रतिनिधिमंडल ने एमपी एनआरआई ग्लोबल सर्विस की 247 निशुल्क सेवा के बारे में भी मुख्य सचिव को बताया। यह संगठन प्रदेश के प्रवासी भारतीयों को पासपोर्ट, वीजा, इमिग्रेशन, राष्ट्रीयता और दुनिया के किसी भी देश की यात्रा संबंधी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराता है। संगठन की इस सेवा को एयरपोर्ट और पासपोर्ट कार्यालयों से जोड़ने का प्रस्ताव भी मुख्य सचिव को सौंपा गया है।

सांसद शर्मा ने यातायात व्यवस्था सुधारने पुलिस कमिश्नर से की महत्वपूर्ण चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

पुराने भोपाल के बाजारों में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के साथ बैठक की। बैठक में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्रों में लगातार लगाने वाले जाम, अनावश्यक बैरिकेडिंग, अतिक्रमण और यातायात से जुड़ी अन्य समस्याओं से सांसद को अवगत कराया।

व्यापारियों ने मोती मस्जिद के समीप की गई बैरिकेडिंग के कारण बाजारों में आवागमन प्रभावित होने की समस्या प्रमुखता से रखी। इस पर सांसद आलोक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर से कहा कि मोती मस्जिद से सदर मंजिल की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई अनावश्यक बैरिकेडिंग को हटाया जाए, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए विपरीत दिशा में वाहन चलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए।

छह साल से परीक्षा-रिजल्ट और छात्रवृत्ति का इंतजार धरने पर बैठे नर्सिंग छात्रों ने कहा: छह-सात साल बाद भी अंतिम वर्ष की नहीं हुई परीक्षा

नर्सिंग काउंसिल कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे नर्सिंग छात्र

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नर्सिंग छात्रों की लंबित परीक्षाओं, अटक के परीक्षा परिणाम और करीब छह साल से छात्रवृत्ति नहीं मिलने के विरोध में एनएसओ छात्र संगठन ने नर्सिंग काउंसिल कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। संगठन ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में

कथित फर्जीवाड़े की जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, लंबित परिणाम जारी करने और परीक्षाएं कराने की मांग की है। संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने कहा कि सैकड़ों छात्रों की पढ़ाई पूरी होने के बावजूद उनकी डिग्री अधर में लटक गई है।

कई छात्रों की अंतिम वर्ष की परीक्षा तक नहीं हो पाई है, जबकि पुराने वर्षों के परीक्षा परिणाम भी लंबित हैं। उनका कहना है कि छात्र लगातार अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं, लेकिन सरकार और संबंधित विभाग की ओर से समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा।

छात्रवृत्ति अटकी, एससी-एसटी, ओबीसी छात्र परेशान

छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि नर्सिंग पाठ्यक्रम के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को पिछले करीब छह वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिली है। संगठन ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी छात्रवृत्ति के दायरे में शामिल करने की मांग उठाई है।

रिजल्ट घोषित करो, परीक्षा कराओ, वरना विधानसभा घेरेंगे

धरने पर बैठक नर्सिंग छात्र आनंद पटेल और पप्पू कुमार ने चेतावनी दी कि सभी लंबित परिणाम तत्काल घोषित कर आगामी परीक्षाएं कराई जाएं और छात्रों की डिग्री में और देरी न की जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो धरने के साथ भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

नालसा की शिक्षा स्कीम और थीम सॉनग को इंडियन साइन लैंग्वेज में किया लॉन्च

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने नालसा की शिक्षा स्कीम तथा नालसा के थीम सॉनग को इंडियन साइन लैंग्वेज में लॉंच किया। कॉर्नेस में नालसा के थीम सॉनग का प्रदर्शन कर इसकी योजनाओं के हिंदी संस्करण और ब्रेल लिपि में गाइड का विमोचन किया गया।

मौजूद सभी अतिथियों ने 'जस्टिस टू विल्डन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम' तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स - विवाद से सहमति की ओर का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य न्यायमूर्तियों ने कॉर्नेस में आयोजकों की ओर से तैयार की गई 'न्याय के स्वर' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

जस्टिस टू विल्डन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स का किया गया शुभारंभ



कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीजेआई व सीएम।

हम सभी एक समान संवैधानिक उद्देश्य से साथ जुड़े होते हैं

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नालसा के संवाद और चर्चा के लिए कार्यक्रमों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई डॉक्टर, किसी मरीज से बात करके उसकी परेशानियों को समझता है। उसी प्रकार समुदायों की समस्या को जानने-समझने के लिए हमें संवाद का सहारा लेना चाहिए।

समुदाय, गुजरात के माइग्रेट वर्कर और मुंबई में रहने वाली किसी महिला के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई डॉक्टर, किसी मरीज से बात करके उसकी परेशानियों को समझता है। उसी प्रकार समुदायों की समस्या को जानने-समझने के लिए हमें संवाद का सहारा लेना चाहिए।

निराकरण करने के लिए 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए प्रतिबद्धता दिखाते हुए हमने पेपर लीक, धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से निराकरण करने के लिए 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय, जबलपुर के विशेष सहयोग से सरकार की ओर से 24 घंटे में ही इब्रैर, भोपाल, नवागिर और जबलपुर में फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि हमने अंग्रेजों के दौर के अनेक गैर-जरूरी कानूनों को समाप्त कर न्याय को सुलभ और सरल बनाया है। हमारे लिए आधुनिक समय में ई-केस फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई, डिजिटल डेटा संग्रह, आधुनिक न्याय प्रबंधन जैसी न्याय प्रणाली लागू की गई है।

नालसा की शिक्षा स्कीम न्याय की पहुंच को जन-जन तक पहुंचाने में सहायक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि नालसा की शिक्षा स्कीम और साइन लैंग्वेज में थीम सॉनग न्याय की पहुंच को जन-जन तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के हिंदी संस्करण और ब्रेल लिपि में गाइड का विमोचन दृष्टि बाधितों के लिए न्याय की आस बनकर सामने आएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन आज भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को करेंगे फ्लैग ऑफ



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज रविवार को राजा भोज एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की चार नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता हवाई मार्ग शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को फ्लैग ऑफ करेंगे। इन सेवाओं का संचालन अलायन्स एयर की ओर से किया जाएगा। इन सभी घरेलू हवाई मार्गों को मप्र नागरिक विमानन नीति के अंतर्गत

वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक राउंड ट्रिप पर राज्य शासन की ओर से 10 लाख रुपए तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वोजीएफ) दी जाएगी। राज्य सरकार की ओर से हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है।

मप्र नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शहरों को देश के प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने और नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नीति के तहत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से चार मार्गों पर हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि चार नए मार्गों पर सेवाएं प्रारंभ की जा रही हैं। नीति के अंतर्गत पहले शुरू किए गए मार्गों में रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर, रीवा-रायपुर और इंदौर-अबुधाबी शामिल हैं।



फाइल फोटो

►► **मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति से वित्त पोषित हैं नए हवाई मार्ग**

भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच आज से शुरू होंगी उड़ानें

भोपाल से प्रदेश के भीतर और अन्य राज्यों से बढ़ेगा हवाई संपर्क

भोपाल-रीवा सीधी हवाई सेवा प्रदेश के भीतर हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। इससे राजधानी भोपाल और विन्ध्य क्षेत्र के बीच सीधा हवाई संपर्क और सुदृढ़ होगा। इसी प्रकार भोपाल-पटना सीधी उड़ान से मप्र की राजधानी सीधे बिहार की राजधानी से जुड़ेगी। इससे दोनों राज्यों के बीच आवागमन सुगम होगा और मप्र में निवासरत बिहार की बड़ी आबादी के साथ यात्रियों, व्यापारियों एवं कारोबारियों को सुविधा मिलेगी। रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच सीधी हवाई सेवाएं शुरू होने से प्रदेश के इन दोनों महत्वपूर्ण शहरों का कोलकाता और पूर्वी भारत से हवाई संपर्क मजबूत होगा।

हवाई यात्रा से समय की बचत के साथ विकास को मिलेगी गति

नई सीधी हवाई सेवाओं से प्रदेश के नागरिकों को लंबी यात्राओं की तुलना में कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार से यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के साथ विभिन्न शहरों के बीच संपर्क को भी गति मिलेगी। नई हवाई सेवाओं का विस्तार प्रदेश में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जरापु राममोहन नायडू, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार, अलायन्स एयर के चेयरमैन अमित कुमार, अपर मुख्य सचिव विमानन संजय कुमार शुक्ला, आयुक्त विमानन चंद्रमौली शुक्ला, भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

15 अगस्त से लेकर बापू जयंती तक ‘मीट फ्री’ रहेगा भोपाल

भोपाल। नगर निगम भोपाल ने स्वतंत्रता दिवस सहित सात प्रमुख पर्वों और राष्ट्रीय अवसरों पर निगम सीमा में पशुवध तथा मांस, मुर्गा और मछली की सभी दुकानों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार इन तिथियों पर किसी भी प्रकार का मांस विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। निगम के अनुसार 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) को शहर की सभी मांस विक्रय दुकानें बंद रहेंगी। इसके अलावा 4 सितम्बर (जन्माष्टमी), 14 सितम्बर (गणेश चतुर्थी), 22 सितम्बर (डोल ग्यारस), 25 सितम्बर (अनंत चतुर्दशी), 2 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती) और 26 अक्टूबर (महर्षि वाल्मिकी जयंती) पर भी यही प्रतिबंध लागू रहेगा। आदेश में कहा गया है कि इन तिथियों पर नगर निगम सीमा के अंतर्गत पशुवध, मांस, चिकन और मछली का विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। निगम ने सभी लाइसेंसधारी मांस विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित दिनों में अपनी दुकानें बंद रखें। यदि प्रतिबंधित दिनों में कोई भी व्यक्ति मांस, मुर्गा या मछली बेचते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

रात सवा आठ बजे पेड गिरने से कॉलोनी में मचा हड़कंप शिवाकुंज कॉलोनी में अचानक गिरा नीम का भारी-भरकम पेड़, होंडा सिटी वाहन क्षतिग्रस्त

गनीमत रही कि पेड़ गिरते समय कोई व्यक्ति मौके पर मौजूद नहीं था

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर के 12-नंबर रेलवे कॉलोनी स्थित शिवाकुंज कालोनी में शनिवार रात करीब 8.15 बजे अचानक नीम के पेड़ की भारी शाखा टूटकर गिर गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पेड़ की चपेट में वहां खड़ी एक होंडा सिटी कार आ गई, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिस समय पेड़ गिरा उस समय न तो हवा चल रही थी न ही बारिश हो रही थी।



घर के बाहर खड़ी कार पर गिरा पेड़।

बताया जा रहा है कि यह पुराना पेड़ था, जो कमजोर हो गया था। जानकारी के अनुसार कार जसवंत सिंह राजपूत की है और घटना पूर्व सांसद आलोक संजय के निवास के पास हुई। पेड़ गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। गनीमत रही कि उस समय कोई व्यक्ति वाहन के पास मौजूद नहीं था और न ही वहां से कोई गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना निगम अमले को स्थानीय रहवासियों ने दी।

रेसीडेंशियल इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटीज पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं एक लाख आवास भवनों के सर्वे के लिए तीन कैटेगिरी तय, एक साथ सभी विधानसभा क्षेत्रों में होगी जांच

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर में आवासीय क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों पर अब नगर निगम बड़े पैमाने पर कार्रवाई की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद निगम ने पूरे शहर का व्यापक सर्वे कराने की रणनीति बनाई है। यह सर्वे एक-दो कॉलोनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर नोटिस, सुनवाई और आवश्यकता पड़ने पर सीलिंग या अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसकी विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। निगम प्रशासन ने अलग-अलग जोन में अपर आयुक्त और उपायुक्त स्तर के अधिकारियों की निगरानी में विशेष दल बनाए हैं। ये दल मौके पर जाकर भवन की स्वीकृति, उपयोग, नक्शे और वास्तविक निर्माण की स्थिति का मिलान करेंगे। आगामी एक-दो दिन में एक साथ पूरे शहर में सर्वे शुरू हो जाएगा।



इन श्रेणियों में होगा सर्वे

सर्वे के लिए भवनों को तीन प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में वे भवन और प्लॉट शामिल होंगे जिनकी अनुमति आवासीय उपयोग के लिए है, लेकिन वहां दुकान, वकीलक, कॉरिंग, जिम, होटल, रेस्टोरेट, अस्पताल या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। दूसरी श्रेणी में बिना भवन अनुमति या नियमों के विपरीत किए गए निर्माणों की जांच होगी। तीसरी श्रेणी में स्वीकृत नक्शे, एडपआर या तय सीमा से अधिक निर्माण वाले भवनों को शामिल किया गया है।

सबसे अधिक नोटिस का बन सकता है रिकॉर्ड

निगम के दायरे में बड़ी संख्या में आवासीय संपत्तियां आ सकती हैं। प्रारंभिक अनुमान बता रहे हैं कि नोटिसों की संख्या अब तक के रिकॉर्ड को पार कर सकती है। अररा कॉलोनी, बावड़िया कला, रोहित नगर, कोलार, बैरागढ़, अशोक गार्डन, चुनाभट्टी और कोहेफिजा सहित कई क्षेत्रों में पहले ही बड़ी संख्या में नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

1679 से ज्यादा नोटिस पहले ही हो चुके हैं जारी

पहले चरण में निगम ने अररा कॉलोनी, रोहित नगर और बावड़िया कला की 429 कमर्शियल प्रॉपर्टी को नोटिस दिए थे। इसके बाद बैरागढ़, कोलार, चुनाभट्टी, इंदूपुरी, अशोक गार्डन और कोहेफिजा सहित अन्य क्षेत्रों में 1250 से अधिक नोटिस जारी किए गए।

30 कॉलोनियों के लोग आज निकालेंगे टॉच मार्च

रिहायशी इलाकों में व्यवसायिक उपयोग रोकने और अवैध निर्माणों पर कार्रवाई को लेकर रविवार को रहवासी समिति के बैनर तले 30 कॉलोनियों के पदाधिकारी और रहवासी टाच मार्च निकालेंगे। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि टॉच मार्च महावीर द्वारा से शुरू होकर दस नंबर मार्केट होते हुए बिटुन मार्केट पहुंचकर समाप्त होगा। शाम सात बजे यह मार्च शुरू होगा और करीब डेढ़ घंटे चलेगा।

नन्हें चाचा दूध डेयरी से 11 दिन पहले लिया था दूध का सैंपल, लाइसेंस किया सस्पेंड

लोगों की जान को खतरा... इतवारा की दूध डेयरी के दूध में मिला डिटरजेंट

रयामपुर से आए दूध निकला असुरक्षित, टीम भी भेजी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी में पहली बार दूध में डिटरजेंट मिलने से सनसनी फैल गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 27 जुलाई को इतवारा स्थित नन्हें चाचा की दूध डेयरी से दूध का सैंपल लिया था, जिसे जांच के लिए राज्य लेबोरेटरी भेजा गया। शनिवार को मिली दूध की सैंपल जांच रिपोर्ट में डिटरजेंट मिलने की पुष्टि हुई है।

दुकान संचालक मोहम्मद फरहान ने बताया कि उनके यहां दूध श्यामपुर से आता है, जिसके बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। एहतियात के तौर पर एक टीम श्यामपुर भेजी गई है। फिलहाल दूध डेयरी का फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि दूध, दही, घी, पनीर और दूध से बने उत्पादों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। इतवारा की दूध डेयरी से भी सैंपल लिया गया था, जिसमें डिटरजेंट की पुष्टि होने के बाद दुकान का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है।

कोर्ट में पेश किया जाएगा मामला

खाद्य अफसरों का कहना है कि दूध में डिटरजेंट की पुष्टि होने से यह लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। ऐसे में इस मामले को जिला कोर्ट में पेश किया जा रहा है, जहां सुनवाई के बाद छह महीने तक की सजा का प्रावधान है।

रयामपुर से रोजाना 20 हजार ली. सप्लाई

राजधानी की डेयरियों पर करीब बीस हजार लीटर दूध की सप्लाई सीहोर के श्यामपुर से की जाती है। ऐसे में यहां के दूध में डिटरजेंट मिलने के बाद खाद्य विभाग का अमला सक्रिय हो गया है। अफसरों का कहना है कि सीहोर रूट से आने वाले दूध की सैंपलिंग भी की जाएगी।

डिटरजेंट व रासायनिक पदार्थों की गिलावट

नकली दूध तैयार करने के लिए डिटरजेंट पाउडर के अलावा कुछ अन्य रासायनिक पदार्थों और कृत्रिम तत्वों का भी उपयोग किया जाता था, जिससे दूध का रंग, स्वाद और गन्हापन सामान्य दूध जैसा दिखाई दे। इसमें पॉम आइल और यूरिया भी मिलाया जाता है।

सात लाख रुपए का 14 क्विंटल मक्खन श्री और हरिहंत घी जब्त

शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने मंगलवारा-जुमेराती स्थित थोक कारोबारी शीतला पूजा भंडार के यहां छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने यहां से 15 किलो के 33 टीन अरिहंत घी और मक्खन श्री घी के 60 टीन जब्त किए हैं। टीम ने यहां से दोनों ब्रांड का 13 क्विंटल 94 किलो घी जब्त किया है, जिसकी बाजार कीमत सात लाख रुपए आंकी गई है। दोनों ब्रांड के सैंपल लेकर राज्य लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजे गए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि शीतला पूजा भंडार पर अरिहंत घी के 15 किलोग्राम वाले 33 टीन और मक्खन श्री घी के 60 टीन जब्त किए गए हैं। मक्खन श्री घी के 4 सैंपल लिए गए हैं।



13 लाख रुपए का घी किया था जब्त

एक हफ्ते पहले हमीरिया रोड स्थित श्रीराम डिस्ट्रिब्यूटर्स धौलपुर फ्रेश वानेदार देसी घी और गोवर्धन प्र्योर काउड घी के 200 मिलीलीटर, 500 मिलीलीटर, 1 लीटर और 15 किलो पैक जब्त किया गया था, जिसकी बाजार कीमत करीब 13 लाख है।

नगर निगम ने बकायादारों पर की सख्त कार्रवाई

लीज रिन्यूवल और रेंट जमा नहीं करने पर नगर निगम ने 18 दुकानें-परिसर किए सील

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नगर निगम ने लीज नवीनीकरण नहीं कराने और किराया व लीज रेंट जमा नहीं करने वाले बकायादारों के खिलाफ शनिवार को सख्त कार्रवाई की। राजस्व वसूली अभियान के तहत शहर के विभिन्न बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में स्थित 18 दुकानों और परिसरों पर तालाबंदी की गई।

निगम अमले ने लीज नवीनीकरण न कराने, लीजरेंट-किराए की राशि जमा न करने पर कोल एंड टिम्बर मार्केट, तिलक मार्केट, राजाजी का कुआ, पटेल नगर, एबी मार्केट, जुमेराती, आजाद मार्केट, कबाड़खाना, मंगलवारा, इतवारा आदि में स्थित 18 दुकानों-



परिसर पर तालाबंदी की। यह कार्रवाई जोन-17 के वार्ड- 76 में कोल एंड टिम्बर मार्केट छोला के भूखंड नंबर-147 के लीज धारक किशोर मलिक द्वारा लीज नवीनीकरण एवं लीज की बकाया राशि जमा न करने पर उक्त परिसर पर तालाबंदी की। इसके अलावा

राशि जमा की तो स्थगित की तालाबंदी

निगम अमले ने 19 के सैयद रिजवान अली, दुकान-18 राजाजी का कुआ, लियाकत अली, दुकान-19 राजाजी का कुआ, मो. राजा खां, दुकान-सी-3, पटेल नगर द्वारा कार्रवाई के दौरान बकाया राशि का भुगतान करने पर तालाबंदी की कार्रवाई स्थगित की गई।

जोन-5 के वार्ड-23 के अंतर्गत रशीद अहमद दुकान नं-7 तिलक मार्केट, लईका रफीक दुकान-8 तिलक मार्केट, कमर अजीज दुकान नं-25 तिलक मार्केट, जगन्नाथ दुकान नं-78 वी, एबी मार्केट, हमीद खान दुकान नं-61ए आदि पर तालाबंदी की गई।

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

- 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो
- गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्ती में बढ़ाएं निवेश
- इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक कीमत पर निवेश की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कोमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 5,000 इक्विटी/एलेक्सी-केप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी भूल हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

- 1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।
- 2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।
- 3. कॉर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कॉर्ज की लागत निश्चित होती है।
- 4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।
- 5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नौचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इन्होंने अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

ऐसे समझें गणित

■अगर कोई निवेशक 10,000 हर महीने 10 साल तक निवेश करता है तो उसकी कुल जमा राशि 12 लाख होगी।

मान लें औसत वार्षिक रिटर्न

- 8% रहा तो करीब 18.3 लाख
- 10% रहा तो करीब 20.7 लाख
- 12% रहा तो करीब 23.2 लाख
- 15% रहा तो करीब 27.9 लाख
- यह केवल अनुमानित उदाहरण है। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक परिणाम बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगे।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अच्छी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'रही समय' का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश ? जानिए क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकाया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित होती है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होगा। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे परपलन सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं ?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल : जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय को निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

अतिरिक्त पैसा मिले तो कर्ज जल्दी चुकाएं या निवेश कर पैसा बढ़ाएं फैसला लेने से पहले ब्याज, रिटर्न, जोखिम और इमरजेंसी फंड का करें आकलन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सांख्यिकीय जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में हैं, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी वित्तीय अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। माननाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता, क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकाया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

वर्षों बदल सकता है स्कोर

बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बंद करने का एक प्रमुख असर कुल उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के सभी कार्डों की कुल क्रेडिट लिमिट 3 लाख रुपये है और उस पर 60 हजार रुपये बकाया है, तो क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो 20 प्रतिशत होगा। अगर वह 1 लाख रुपये लिमिट वाला एक कार्ड बंद कर देता है तो कुल उपलब्ध लिमिट घटकर 2 लाख रुपये रह जाएगी। वहीं बकाया 60 हजार रुपये वही रहने पर क्रेडिट यूटिलाइजेशन बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगा। उपलब्ध क्रेडिट की तुलना में ज्यादा इस्तेमाल होना क्रेडिट प्रोफाइल के लिए कम अनुकूल माना जा सकता है।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूछताछ शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने

पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान खूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑनो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छा क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकाया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले सभी बकाया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को तुरंत बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचनी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑनो पेमेंट बदलें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑनो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. वॉलेजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से वॉलेजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाएं 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

म्यूचुअल फंड में कैटेगरी से ज्यादा जरूरी सही फंड का चुनाव करना

सुझाव बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है।

पलेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड में पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है। सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेल्थ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। जिन फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीओ सदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि एक साल में अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियों अच्छा प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन फंड की पूरी तस्वीर नहीं बताता। केडो केपिटल के सर्टिफाइड फाइनेशियल एनालिस्ट के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा असर समय के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार का अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

आज डिजिटल क्रान्ति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू



विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताकत अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्मत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

आज डिजिटल क्रान्ति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए?

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का परातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताकत अर्थहीन हो जाती है।

अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्मत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हो, धुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफरत फैलाएं, क्योंकि जिनका अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जल एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पर्यंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूक्ष्म डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर चुनिंदा विज्ञापनों तथा प्रोमोवैज के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी



व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को कारोचक जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला एल्गोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं। सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का उठला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिस्पल कर्मचारियों की सख्ती के चलते श्थुब्ब बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन एल्गोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में फलों का उठला आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मित्र की राजधानी के तहरीर चक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर आम आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति एक आग्रामी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की

सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है,

ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वचुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। संसदीय



सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को

समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि कारोचक जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की हूट नहीं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अग्रिप्राय बिल्कुल नहीं है कि हम सुनना के प्रवाह की पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल कसनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मंच यहां के सिध्दान्त, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरते और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कीमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतर्गत्या की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निगमों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागजों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करें कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक व्यूज, बोट अकाउंट्स और लक्षित दुरुप्राय अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नेरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुर्ची छुट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया

आधारित ऐप इंस्टाग्राम और 2011 में सैनपैचैट बाजार में आ गए हैं। आज सोशल मीडिया की पहुंच और स्तर असीमित हो गई है। बच्चे ऐसे लोगों और सामग्री के संपर्क में आने लगे हैं, जिनकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसलिए बच्चों के लिए सोशल मीडिया से खतरा बहुत बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में इंटरनेट की उपलब्धता को मानवाधिकार घोषित कर दिया था और दुनियाभर के लोगों तक इंटरनेट की सुविधा पहुंचाने को अपने विकास से जुड़े लक्ष्यों में शामिल किया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी

रत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे जरूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओकुट, मिक्सट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख जरिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आयो, फिर 2010 में तस्वीरों पर

बदल गए अभिव्यक्ति की आजादी के मायने

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल खोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पोपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी सम्झना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरवेंशन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगों, अचानक की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का कारण बन रही हैं। ऐसी घटनाएं पोंडित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध करने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में धुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अमूर्तपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक व्यूज, बोट अकाउंट्स और लक्षित दुरुप्राय अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नेरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुर्ची छुट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।



यह सवाल अब डालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई खतरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों

सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजर्स पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब डालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।

एक करोड़ पांच लाख का मुनाफा दिलाने का कहकर कराया निवेश तीन साल बाद एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित आइनेक्स गार्डन में रहने वाले सिंचाई विभाग के रिटायर्ड सब इंजीनियर को जालसाज ने 58.60 लाख रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी ने ड्रीम रिसर्च कंपनी, कांदिबली मुंबई में रुपए निवेश करने का झांसा दिया था। इसके बाद महिला सहित छह लोगों के अकाउंट में 58.60 लाख रुपए की रकम का ट्रांजेक्शन करा लिया। रकम मिलने के बाद बदमाशों ने अपने मोबाइल नंबर बंद कर लिए।

ठगी का अहसास होने पर वह शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे। वहां शिकायत तो सुनी गई, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं की गई। परेशान होकर



फरियादी ने देवास में शिकायत दर्ज कराई थी। वहां से केस डायरी आने के बाद अयोध्या नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अनुसार केशर सिंह नायक (69) आईनेक्स गार्डन, अयोध्यानगर में रहते हैं और सिंचाई विभाग में सब

इंजीनियर थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। पत्नी की गत वर्ष मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में वह रिटायर्ड हो गए थे। उनके एक परिचित ने बताया था कि मैंने मुंबई की ड्रीम रिसर्च कंपनी में निवेश किया था। निवेश के बाद मुझे अच्छा मुनाफा मिला। परिचित ने मुझे अनिरूद्ध सक्सेना का मोबाइल नंबर दिया। अनिरूद्ध सक्सेना से बातचीत होने लगी। उसके अलावा अजय त्यागी से भी बात होती थी। दोनों ने कहा कि कंपनी में निवेश करने पर अच्छा मुनाफा मिलेगा। वर्ष 2020 में उन्होंने पहली बार 25 हजार रुपए निवेश किए थे। अनिरूद्ध और अजय ने कहा कि इतनी रकम में कुछ नहीं होगा। बड़ा निवेश करने पर मुनाफा अधिक मिलेगा।

छह लोगों के अकाउंट में ट्रांसफर कराए गए

केशर नायक ने बताया कि उन्होंने पूरी रकम कैशलेस की है। नगदी कुछ नहीं दी। आरोपियों ने छह अलग-अलग अकाउंट नंबर अलग अलग समय पर दिए। उन अकाउंट नंबर में रुपए ट्रांसफर किए गए। 58.60 लाख रुपए ट्रांसफर होने के बाद अनिरूद्ध और अजय के मोबाइल नंबर बंद हो गए। उन्हें ठगी का अहसास हुआ और वह थाने शिकायत लेकर पहुंचे। वहां पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर जांच का कहा और रकम जल्द ही लौटाने का आश्वासन दिया।

अकाउंट होल्डर देवास के वहां कराई एफआईआर

केशर नायक को पता चला कि यह अकाउंट होल्डर देवास के हैं। लिहाजा उन्होंने देवास में किसी परिचित के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। देवास पुलिस ने केस दर्ज कर लिया, लेकिन घटनास्थल अयोध्या नगर थाने का होने के कारण केस डायरी अयोध्या नगर पुलिस को सौंपी गई है।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोतवाली में रहने वाले कृषि विकास अधिकारी का मोबाइल हैक कर जालसाज ने दो अलग-अलग बैंक खातों से कुल एक लाख 98 हजार 12 रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए। करीब ढाई घंटे बाद उनका मोबाइल स्टार्ट हुआ, जब जाकर ऑनलाइन ठगी की जानकारी हुई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार भावना कॉम्प्लेक्स कोतवाली रोड निवासी राहुल जैन (39) विगत 20 जुलाई को अपने ऑफिस वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकास खंड फंदा कार्यालय पुराना सचिवालय कोहेफिजा में ड्यूटी पर थे। उसी समय दोपहर करीब पौने एक बजे उनका मोबाइल ऑटोमैटिक अपडेट होने लगा। उन्होंने सोचा कि अपडेट हो रहा है। इस बीच दोपहर करीब सवा तीन बजे उनका मोबाइल नार्मल हो गया। फरियादी ने मोबाइल देखा तो अपडेट के समय के कोई फोन कॉल अथवा अन्य किसी

प्रकार के वाट्सएप मैसेज दिखाई नहीं दे रहे थे। ऑफिस बंद होने पर वह ड्यूटी से वापस अपने घर आ गए। घर आने के बाद किराएदार का फोन आया। वह बोला कि भैया मैंने आपके मोबाइल पर किराए की रकम सेंड कर दी है, आप चेक कर लीजिए। लिहाजा राहुल जैन ने अपना एक्सिस बैंक का बैलेंस चेक किया तो पता चला कि उनके खाते से 23 हजार और उसके बाद 26 हजार रुपए तथा बाद में 50006 कुल 99006 रुपए किसी दूसरे खाते आरएस इंटरप्राइजेज में ट्रांसफर हो चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अपने यूको बैंक मारवाड़ी रोड वाले दूसरे खाते का बैलेंस चेक किया तो उस खाते से भी 99006 रुपए किसी बादशाह नामक के व्यक्ति को ट्रांसफर हुए हैं। राहुल जैन का कहना है कि उनके दोनों खातों से कुल राशि एक लाख 98 हजार 12 रुपए किसी अंजान व्यक्ति के खातों में ट्रांसफर हुए हैं। साइबर जालसाजी का खुलासा होते ही उन्होंने फौरन अपने बैंक खाते होल्ड करा दिए।

इमामीगेट के पास वारदात को दिया अंजाम जोमेटो के डिलीवरी ब्वाँय पर चाकू, रॉड से जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इमामीगेट पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात तीन बदमाशों ने अपने साथियों के साथ मिलकर जोमेटो के डिलीवरी ब्वाय पर चाकू व रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। घटना का कारण पुराना विवाद बताया जा रहा है। हमले में उसे सिर, गर्दन व पेट में गंभीर चोटें आई हैं। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं। पुलिस ने हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार निशातपुरा निवासी हासिल अली (21) जोमेटो कंपनी का कर्मचारी है। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे वह अपने किसी दोस्त से

मिलने इमामीगेट आया था। वहां से जाते समय एसिड मार्केट के पास नूरमहल रोड पर अरुफेज पीरेट, अयान पेटी व साहिल काला ने अपने साथियों के साथ मिलकर हासिल को घेर लिया। गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंचा और फिर आरोपियों ने चाकू व लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हासिल ने गंभीर घायल अवस्था में एक गली में भागकर अपनी जान बचाई। फरियादी हासिल का कहना है कि आरोपियों के पास पिस्टल भी थी और वह फायर करने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही वह अपनी जान बचाकर भाग निकला। पुलिस ने आरोपी अरुफेज, अयान पेटी व साहिल काला व उसके साथियों के खिलाफ हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

जामोद, शुक्ला ने किया औबेदुल्लागंज नगर परिषद का निरीक्षण
औबेदुल्लागंज। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत शनिवार को अभियान का प्रारंभ जिला रायसेन में औबेदुल्लागंज ब्लॉक से किया गया, जिसमें संभागा आयुक्त, कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारी ब्लॉक उपस्थित रहे। सीएमओ किरण रहंगडाले ने बताया अभियान अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास विभाग से सचिव बीएस जामोद एवं उपसचिव प्रमोद कुमार शुक्ला द्वारा औबेदुल्लागंज नगर परिषद का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निर्माणधीन ऑडिटोरियम एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत उपयोगिता जल प्रबंधन के परियोजना का निरीक्षण किया एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सचिव द्वारा सीएम हेल्युलाइन एवं लोक सेवा केंद्र से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई, विभिन्न निकाय के लिए निर्देश दिए गए तथा प्रधानमंत्री आवास पट्टा के लिए पात्र लाभार्थी समूह से जन संवाद किया गया। निरीक्षण में शाहीगंज कार्यालय भोपाल से कार्यपालन यंत्री ब्रजेंद्र वर्मा, संजय तिवारी एवं निकाय अमला उपस्थित रहा।

शादीशुदा प्रॉपर्टी डीलर ने महिला से फार्म हाउस में किया दुष्कर्म

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में शादीशुदा प्रॉपर्टी डीलर द्वारा महिला से फार्म हाउस में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दोनों की दोस्ती करीब पंद्रह साल से है। शादीशुदा प्रॉपर्टी डीलर ने महिला को शादी का प्रलोभन दिया था। इसके बाद लगातार दैनिक शोषण करने लगा। करीब एक साल तक दैनिक शोषण करने के बाद उसने शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और दैनिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 33 साल की महिला बिजनस करती है। करीब पंद्रह साल से उसकी पहचान 40 साल के राजकुमार पाटीदार है। मिलने जुलने के दौरान राजकुमार पाटीदार ने महिला से कहा कि मैं तुमसे प्रेम करता हूं और शादी करना चाहता हूं। शादी का प्रलोभन देकर वह महिला को मिसरोद स्थित फार्म हाउस लेकर पहुंचा। वहां महिला से शारीरिक संबंध बनाए। राजकुमार और महिला के संबंधों की जानकारी दोनों के परिजन को हुई। इसके बाद राजकुमार ने खुद को शादीशुदा बताकर शादी करने से इंकार कर दिया।

गुमशुदगी के बाद चार कॉल आए, कहा- आपकी बेटी मिल गई है पांच हजार रुपए दे दो

13 साल की किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

एमपी नगर स्थित शिवाजी नगर में शुक्रवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर मिली किशोरी का पीएम करा दिया गया है। पुलिस ने वैजाइनल स्लाइड बनवाई हैं। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। दरअसल, एक कमरे का मकान है और कमरे की बाथरूम से बगल वाले कमरे में जाने के लिए गेट बना हुआ था। वह गेट अंदर से बंद था। लिहाजा परिस्थितियां आत्महत्या की ओर इशारे कर रही हैं। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

पुलिस के अनुसार 13 साल की निकिता फरकले पिता सुनील फरकले, शिवाजी नगर में रहती थी। सुनील फरकले मजदूरी करता है, जबकि पत्नी हाउस कीपिंग का काम करने जाती है। सुनील के चार बच्चे थे। सुनील बड़ी बेटी की शादी कर चुका है। निकिता तीसरे नंबर की बेटी थी, जबकि छोटा बेटा है। सुनील ने पुलिस को बताया कि बड़ी बेटी की डिलेवरी हुई थी और वह मायके आई हुई है। निकिता गुनवार सुबह रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। परिजन को लगा कि वह स्कूल गई होगी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजन को संदेह हुआ। उसकी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

एमपी नगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई



रात में परिजन ने एमपी नगर थाने पहुंचकर निकिता की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सरोजनी नायडू कॉलेज, पारुल अस्पताल और आसपास सैसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले, लेकिन निकिता का कुछ पता नहीं चला। इधर निकिता के लापता होने की जानकारी गांव में लग गई और रिश्तेदार भी भोपाल आ गए।

रिश्तेदार की नजर पड़ी

सुनील का रिश्तेदार गुटुखा शुक्ले बाहर आया तो उसकी नजर बगल वाले कमरे पर पड़ी। उसने कहा कि इस कमरे में ताला लगा है। इस खोलकर देखा। सुनील ने बाथरूम के पास वाला गेट खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह अंदर से बंद था। इसके बाद ताला तोड़ा गया। ताला तोड़कर देखने पर पता चला कि निकिता ने फांसी लगा ली है।

सुसाइड नोट में लिखा... ठीक से कराई जाए जांच

शुक्रवार शाम निकिता की लाश फंदे पर देखकर परिजन ने उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे की तलाशी ली। इस दौरान कमरे से सुसाइड नोट मिला, जिसमें लिखा है कि मेरी आत्महत्या की ठीक से जांच कराई जाए। इसके अलावा उसने आत्महत्या के कारण नहीं लिखे थे।

पुलिस कॉल वाले नंबरों की कर रही जांच

निकिता के लापता होने के बाद परिजन ने सोशल मीडिया पर मैसेज पोस्ट कर उसकी तलाश करने का प्रयास किए। इस बीच शुक्रवार सुबह परिजन के पास चार अलग अलग नंबर से कॉल आए। कॉलर ने कहा कि तुम्हारी बेटी मिल गई है। वह ताज होटल के पास है। पांच हजार रुपए खाते में जमा करा दो। पुलिस का कहना है कि यह कॉल साइबर जालसाज के हो सकते हैं। पुलिस नंबरों की जांच कर रही है।

एलक दयासागर महाराज ने दिए प्रवचन प्रभु की भक्ति से प्राप्त शक्ति करती है हमारे पापों का नाश

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

संत शिरोमणी आचार्यश्री विद्या सागर महाराज से दीक्षित आचार्य समय सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य एलक दयासागर महाराज ने नगर में श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आयोजित प्रवचन में भक्ति और संयमित जीवनशैली की महिमा बताई। महाराज ने कहा कि प्रभु की भक्ति में निश्चल भाव से रहना चाहिए। प्रभु की भक्ति से प्राप्त शक्ति हमारे पापों का नाश करती है। जिस प्रकार सूर्योदय होते ही अंधकार अपने आप विलीन हो जाता है और उसे मिटा देने का प्रयास नहीं करना पड़ता, ठीक उसी प्रकार सच्ची भक्ति से हमारे समस्त कर्म और पाप नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। ब्रह्म मुहूर्त में जागने वाला व्यक्ति स्वस्थ और दीर्घायु



रहता है। प्रातःकाल की सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें शरीर की सन्धिधियों को नष्ट करती हैं। प्रवचन के अंत में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाराज श्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। एलकजी के आस्थिक सुनील जैन ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से इन सभी धार्मिक आयोजन में उपस्थित होने की अपील की है।

पत्नी की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

भोपाल। शराब पीने के विवाद पर पत्नी की लोहे की रॉड से हमला कर जघन्य हत्या करने वाले आरोपी पति भगवान सिंह पंवार निवासी सुखी सेवनिया भोपाल को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेश मिश्रा ने हत्या के आरोप में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 2500 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक संतोष कुमार शर्मा द्वारा पैरवी की गई थी। अभियोजन के अनुसार थाना सुखी सेवनिया अंतर्गत 19 मार्च 2023 को शाम 5:30 बजे सुखी सेवनिया क्षेत्र की बस्ती में आरोपी ने शराब के नशे में मां-बहन की गंदी गालियां देते हुए लोहे की रॉड से अपनी पत्नी गीता बाई के ऊपर प्राणघातक हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल गीता बाई को उपचार के लिए परिजन ने अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में उपचार के दौरान घायल गंगाबाई की मौत हो गई थी। इसमें पुलिस ने केस दर्ज किया था।

विजन टू वेंचर प्रदर्शनी में छात्राओं के नवाचार का हुआ प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज ►►सतनगर

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के वाणिज्य संकाय द्वारा सत्र 2026-27 के अंतर्गत 'विजन टू वेंचर' विषय पर एक वाणिज्य प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें छात्राओं को व्यवसाय की अवधारणाओं को व्यवहारिक जीवन से जोड़ने, व्यवसायिक चुनौतियों को समझने, नवीन उद्यमों की संभावनाओं का अध्ययन करने तथा भविष्य के सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रदर्शनी में कक्षा 11वीं एवं 12वीं की छात्राओं ने स्वतंत्रता-पूर्व भारत से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित आधुनिक भारत तक के आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास की यात्रा को आकर्षक मॉडलों, चार्टों एवं

छात्राओं ने वाणिज्य प्रदर्शनी में एआई को जमीन पर उतारा

छात्राओं ने ब्रांडिंग एवं विपणन, सफल युवा एवं महिला उद्यमियों, स्टार्टअप संस्कृति को दर्शाया

सुजनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। छात्राओं ने ब्रांडिंग एवं विपणन, सफल युवा एवं महिला उद्यमियों, स्टार्टअप संस्कृति, ई-कॉमर्स, डिजिटल व्यवसाय, स्मार्ट बिजनेस, नवीकरणीय ऊर्जा तथा भारत 2040 ए स्ट्रैटेजी विजन के मॉडल प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शहीदा हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव चनश्याम बूलचंदानी कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, निर्णय लेने की योग्यता तथा विकास करती हैं। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मॉडल्स, स्टर्लिस एवं व्यावसायिक अवधारणाओं का अवलोकन कर उनके उत्कृष्ट प्रयासों, रचनात्मक सोच एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण की सराहना की।

सिंधी समाज के बच्चों को आगे बढ़ाने 500 प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आज

मंत्री लोधी और विधायक सबनानी होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ►►सतनगर

भारतीय सिंधु सभा एवं सिंधी मेला समिति द्वारा रविवार को रवींद्र भवन में सुबह 9 बजे से प्रांतीय प्रतिभा सम्मान होगा। समारोह में सिंधी समाज के छात्र-छात्राओं, प्रदेश स्तर पर शिक्षा, साहित्य, कला, खेल आदि क्षेत्रों में सिंधी समाज का नाम रोशन करने वाली मगर की 500 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। भारतीय सिन्धु सभा के प्रदेश अध्यक्ष गुलाब ठाकुर एवं महामंत्री महेश ठाकुर एवं सिंधी

मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि इस प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सिंह लोधी (संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मव्य विभाग के राज्यमंत्री मगर) होंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी करेंगे। समारोह में मुख्य वक्ता शैक्षणिक सलाहकार एवं मनोवैज्ञानिक कला मोहन एवं राजनगढ़ जिला के पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी होंगे। कार्यक्रम के संयोजक हरि रोहरा, सह संयोजिका रितिका बालानी, सह संयोजिका पूजा भाटिया की नियुक्त किया गया है।

वार्ड 78

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

आईएनएच न्यूज चैनल और हरिभूमि के तत्वावधान में शहर के करोंद क्षेत्र में वार्ड-78 में मेरा वार्ड-मेरी बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्रीय पार्षद, विपक्षी नेताओं के अलावा आम लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि से अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे और सुझाव भी दिए।

कार्यक्रम में आम लोगों की ओर से क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में कमी, नालियां चौक होना, जगह-जगह गड्डे और नियमित सफाई नहीं होने जैसी समस्याएं सामने आईं। रास्तों पर कीचड़ फैला होने से वाहनों के अस्तुंगुलित होकर गिरने की घटनाएं भी हो रही हैं, लेकिन नगर निगम का सिविल विभाग गड्डों का भरवा नहीं कर रहा है। इस पर क्षेत्रीय पार्षद मोरियाज ने कहा कि वार्ड में सफाई कर्मचारियों की कमी है, लेकिन जो संसाधन उपलब्ध हैं, उनसे काम हो रहा है।

आईएनएच न्यूज चैनल पर आज रविवार शाम 6.30 बजे से देखिए प्रसारण



मेरा वार्ड मेरी बात 2026

विपक्षी नेता बोले- सड़कें खराब हैं सफाई नहीं डेवलपमेंट जीरो

पार्षद बोले निगम प्रशासन को समस्याएं बताईं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है, वार्ड में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं

रास्तों पर कीचड़ फैला होने से वाहन अस्तुंगुलित होकर गिर रहे



कोई काम नहीं हो रहा

हमारे वार्ड में कोई भी काम नहीं होता है। सड़कें बहुत ज्यादा खराब हैं। विशेष इलाकों में ही काम किए जाते हैं। सफाई तो हो रही है।

शिवम, रहवासी

वार्ड में अतिक्रमण की समस्या

वार्ड में अतिक्रमण की समस्या है। सड़क पर गंदगी से लोग परेशान हैं। यह तो मूलभूत सुविधा है। इस पर ध्यान देना चाहिए।

विवेकी शर्मा, रहवासी

वार्ड में सफाई के लिए केवल 12 कर्मचारी

पार्षद मोरियाज ने कहा कि वार्ड की आबादी करीब सवा लाख है। सफाई का जिम्मा 12 कर्मचारियों पर है। ऐसे में बड़े क्षेत्र में सफाई नहीं हो पाती। निगम से कई बार डिमांड की, लेकिन कोई नहीं सुन रहा। जिला बजट है उससे जो काम करवाए जा सकते हैं, वो करवाए।



सफाई नहीं होती

वार्ड में गंदगी है। कोई सफाई वाला नहीं आता। कोई धरोगा नहीं है। इस समस्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

गौतम जयसवाल, रहवासी



संगीतमय कार्यक्रम में गीतों को गुनगुनाते दर्शक।

संगीत प्रेमियों ने लिया बॉली जैम की शाम का लुफ्त

जमघट के अंतर्गत ब्रीद एंड बैलेंस में सजी सुरों की महफिल

दर्शक भी कलाकारों के साथ सुर मिलाते नजर आए



ब्रीद एंड बैलेंस कार्यक्रम में गीतों की प्रस्तुति देते कलाकार।

मंच और दर्शकों के बीच न रही कोई दूरी

बॉलीजैम की खारियत यही रही कि यहां मंच और दर्शकों के बीच कोई दूरी महसूस नहीं हुई। लोग गीतों को सुनने के साथ-साथ उन्हें गाते, उनकी धुन पर झूमते और एक-दूसरे के साथ उस संगीतमय अनुभव को साझा करते दिखाई दिए। पूरी शाम में संगीत के प्रति लोगों का उत्साह और सहज सहभागिता आयोजन को खास बनाती रही।

प्री-डायबिटीज जागरूकता अभियान

डायबिटीज को बीमारी बनने से पहले रोकने की जांच आज

भोपाल। प्री-डायबिटीज के बढ़ते जोखिम को समय रहते पहचानने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आरएसएसडीआई और कृष्णा डायबिटीज चैरिटेबल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा रविवार, 9 अगस्त को विशेष प्री-डायबिटीज जागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा।

डायबिटीज से आजादी संदेश के साथ आयोजित यह अभियान गुजराती समाज भवन में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। अभियान में आरबीएस की निःशुल्क जांच, डायबिटीज रस्क स्कोर, कमर की माप और ब्लड प्रेशर जैसी स्वास्थ्य गतिविधियां शामिल रहगी। साथ ही जुम्बा, योग, फिटनेस सेशन और जागरूकता, नुककड़ नाटक के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया जाएगा।

मायाराम सुरजन भवन में आयोजित छठ कार्यशाला का समापन

भोपाल। कीर्ति बैले एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप द्वारा चंद्र माधव बारिक के निर्देशन में मयूरभंज छठ कार्यशाला का आयोजन मायाराम सुरजन भवन में किया गया। शनिवार को कार्यशाला के समापन अवसर पर करीब 15 प्रतिभागियों को छठ व्यायाम के बारे में बताया गया जिसका उद्देश्य शारीरिक संतुलन ह वहीं चोख, धारण, तलवार चालन, वाता चौरा, बाघ दुमका, घोड़ा दुमका, कुला पाचौड़ा सहित अंत मूढ़ा आदि का प्रदर्शन प्रतिभागियों द्वारा किया गया।

वनबंधु परिषद की हरियाली तीज एवं प्री इंडिपेंडेंस डे थीम पर किटी पार्टी महिलाओं ने हरे रंग के परिधान से हरियाली तीज का दिया संदेश कार्यक्रम में 30 से अधिक महिला सदस्यों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा निजी स्कूल में हरियाली तीज एवं स्वतंत्रता दिवस की थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 30 महिला सदस्यों ने भाग लेकर रिमझिम फुहारों के बीच एक दूसरे से आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की, जहां महिलाओं ने हरे रंग के परिधान से हरियाली तीज का संदेश दिया तो वहीं तिरंगा की थीम पर ड्रेस पहनकर एक दूसरे के प्री इंडिपेंडेंस की बधाई भी दी।



रिमझिम फुहारों के बीच किटी पार्टी करती महिलाएं।



भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, हमारे संस्कारों और संस्कृति का आईना : मेहदी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा अकादमी के जिला समन्वयकों की वार्षिक कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे संस्कार, संस्कृति और सामाजिक

जिम्मेदारी का आईना है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन इसका अर्थ भाषा की बेलगामी नहीं है। उन्होंने कहा कि उर्दू अकादमी की इस कार्यशाला का उद्देश्य भाषा और साहित्य को संस्कृति, शिक्षा, राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों से जोड़ते हुए जनजागरण का माध्यम बनाना है।

विचार दर्ज हो जाएं तो इतिहास बन जाते हैं : राजेश भट्ट

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

विचार दर्ज हो जाएं तो इतिहास बन जाते हैं। युवा साहित्य से जुड़ेंगे तो राष्ट्र और समाज से भी जुड़ेंगे। यह बात राज्य सूचना आयुक्त, मप्र राजेश भट्ट ने कही। वे दुर्धत कुमार संग्रहालय में मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा आयोजित अनीशा जैन की दो काव्य पुस्तकों 'मन मंजरी' और 'मौन शब्द मुखर अनुभूतियां' के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर



रहे थे। भट्ट ने कहा कि नई पीढ़ी का साहित्य, कला और संगीत से जुड़ाव उसे अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ता है। उन्होंने युवाओं से साहित्य को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मौन शब्द की भावनाओं में बहने पर होता है कविता का जन्म

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बाल साहित्य शोध केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना ने दोनों कृतियों को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि जब मौन शब्द भावनाओं में बहते हैं, तो कविता का जन्म होता है।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

रंग श्री लिटिल बैले टुप में श्रोताओं एवं संगीत जगत के जाने माने हस्तियों की उपस्थिति में 80 एवं 90 के दशक के फिल्मी गीतों पर आधारित संगीतमय सुहानी शाम 'दिल से दिल तक' में शहर के जाने माने सिंगर्स ने अपनी आवाज का ऐसा जादू बिखेरा कि सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। कार्यक्रम का आयोजन साजिद प्रेमजी ने किया।



रंग श्री लिटिल बैले में गीतों गरी संघ्या 'दिल से दिल तक' का आयोजन

80 व 90 के दशक के सुरीले गीतों ने से सजी 'दिल से दिल तक' की शाम....

इन गीतों ने बांधा समां

गीतों से सजी इस ढलती हुई शाम में मो. अजीज, अनुराधा पोडवाल, कुमार शानू, नितिन मुकेश, सोनू निगम, उदित नारायण, अभिजीत चटर्जी सहित आज के दौर के सिंगर्स के गीतों की सुरमई बहार छाई। जिसमें डब्लू खान ने तू मेरी जिन्दगी है, चंदन बंसल व रीता बोथे ने फूल गुलाब का, शुजात व रिचा सुर्जी ने वो कहते हैं हम से, ज्ञानेन्द्र शर्मा ने प्रेमी आशिक दीवाना, खालिद सिद्दीकी ने यह दिल दिवाना जैसे सदबहार गीतों से संगीतमय संघ्या में चाद चांद लगा दिए।



सीए देश की अर्थव्यवस्था, राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्ति : शर्मा

‘प्रारंभ’ राष्ट्रीय संगोष्ठी में आए 600 से अधिक सीए

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

कर व्यवस्था की जटिलताओं से लेकर देश की आर्थिक व्यवस्था की मजबूती तक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका आज सिर्फ ऑकड़ों और ऑडिट तक सीमित नहीं है, बल्कि वे राष्ट्र की आर्थिक नौव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी सोच के साथ भोपाल में 'प्रारंभ' राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगाज हुआ। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की डायरेक्ट टैक्सेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में देशभर से आए 600 से अधिक सीए ने भाग लिया।

मजबूत कर व्यवस्था में सीए की भूमिका महत्वपूर्ण: शर्मा

सम्मेलन का आयोजन आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी. के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि सीए देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्ति है। उन्होंने कहा कि आर्थिक पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और मजबूत कर व्यवस्था में सीए समुदाय की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

भेल कल्चरल हाल में किशोर दा की याद में उत्सव आज

भोपाल । प्रख्यात पार्श्व गायक किशोर दा की याद में रविवार 9 अगस्त को बीएचईएल के सांस्कृतिक सभागार में पलाश म्यूजिकल एंड कल्चरल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किशोर उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक और सिंगर तापस गुहा ने बताया कि शाम 6 बजे से होने वाली इस म्यूजिकल नाइट में शहर के जाने माने सिंगर अपनी गायकी से शाम को सुहाना बनाएंगे।



नई पीढ़ी को समृद्ध परंपरा से परिचित कराना है उद्देश्य

संस्था की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराडे ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होना भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस अवसर पर आयोजित विमर्श का उद्देश्य हिंदी पत्रकारिता के विकास में महिला पत्रकारों के ऐतिहासिक योगदान, उनके संघर्ष और उपलब्धियों को रेखांकित करना तथा नई पीढ़ी को इस समृद्ध परंपरा से परिचित कराना है।



सांची में समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देख अभिभूत हुए ब्रिक्स डेलीगेट्स

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

ब्रिक्स देशों से आए प्रतिनिधि भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देखने शनिवार को रायसेन जिले के विश्व धरोहर स्थल सांची पहुंचे।

ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, रूस सहित ब्रिक्स डेलीगेट्स के 42 सदस्यीय दल द्वारा केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ जम्बू द्वीप

पार्क, म्यूजियम तथा बौद्ध स्तूप का भ्रमण किया गया। ब्रिक्स डेलीगेट्स के सांची पहुंचने पर कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अगुवानी में उनका स्वागत भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर किया गया। ब्रिक्स डेलीगेट्स हजारों वर्ष पुरानी भारतीय स्थापत्य कला, पत्थरों पर उकेरी गई बौद्ध संस्कृति और भगवान बुद्ध के शक्ति एवं करुणा के संदेश से जुड़े बौद्ध स्तूप को देखकर अभिभूत नजर आए।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के अवसर पर हिंदी लेखिका संघ, मप्र द्वारा सप्ते संग्रहालय के ज्ञानतीर्थ सभागार में 'दो सदियों की साक्षी : हिंदी पत्रकारिता: महिला पत्रकारों की महती भूमिका' विषय पर विमर्श आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिंदी पत्रकारिता के विकास में महिला पत्रकारों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और वर्तमान चुनौतियों पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक अनुराधा शंकर सिंह ने कहा कि पत्रकारिता की कलम ऐसी हो कि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी लाभ मिले।

महिला आरक्षण बिल पर नहीं थम रही रार, राहुल और रिजिजू में वार



एजेसी ►नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल को लेकर राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। राहुल गांधी के पलटवार के बाद अब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें नियम-कानून बताए हैं।

रिजिजू ने कहा

राहुल गांधी को यह पता है कि संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

यह तब लागू जब परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाए

- 2023 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर। इसका मतलब है 2026 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़े।
- साल 2026 के बाद जनगणना के आंकड़े जारी करने की प्रक्रिया अभी चल रही है। इन्हें अंतिम रूप से जारी होने में काफी समय लग सकता है (जाति-आधारित जनगणना के कारण)। महिला आरक्षण लागू करने में काफी देरी हो सकती है, और कम से कम 2034 के आम चुनावों से पहले तो ऐसा नहीं हो पाएगा।
- इसलिए, 2029 में होने वाले अगले आम चुनावों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए, हाल ही में प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर जल्द परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने की जरूरत है।
- लोकसभा में पेश कपरिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक 3 साल बाद भी लागू क्यों नहीं हुआ: राहुल



संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते रिजिजू से बेहतर यह कौन जानता होगा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ। लेकिन सवाल यह है कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब आप उसे परिसीमन से बेवजह क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू कीजिए वो भी बिना किसी शर्त के।

पीएम मोदी से मिलेंगे शरद गुट के सभी 8 सांसद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदगुट) के सभी 8 सांसद सोमवार को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। सुले ने साफ किया कि हम सभी आठ सांसद महाराष्ट्र से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

अमेरिकी बिल पर विपक्ष ने कहा

यह सरकार की विदेश नीति की नाकामी

भारत समेत कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले अमेरिकी विधेयक पर विपक्षी दलों ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीतिक की नाकामी करार दिया। विपक्षी पार्टी के नेता पवन खेड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर निशाना साधा।

शर्तें थोपता है अमेरिका: खेड़ा

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि क्या भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते।

परिसीमन को अकाली का समर्थन

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बादल ने किया ऐलान

चंडीगढ़। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने अब केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

विजय को लगा बड़ा झटका

परिसीमन पर बुलाई बैठक से 37 सांसद गायब रहे

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति द्वारा परिसीमनपर बुलाई गई सर्वदलीय सांसदों की बैठक से विपक्षी दल समेत कई पार्टियों ने दूरी बना ली है। 57 सांसदों में से 37 गायब रहे।

खबर संक्षेप

पैसा बोलता है, साफ होते हैं ग्रष्ट: खरगे

हल्द्वानी। रामलीला मैदान में कांग्रेस की विजय शंखनाद रेली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे



ने भाजपा,केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने रोजगार, सरकारी भर्तियों, पेपर लीक, शिक्षा, कानून व्यवस्था, महंगाई, धार्मिक आस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा, वहां सभी साफ हो रहे।

साइबर टगों ने बुजुर्ग से टगे 8 लाख रुपए

गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कोड़िया चौकी अंतर्गत विजुनपुर निवासी लालमन साहनी साइबर ठगी के शिकार हो गए। ठगों ने वीडियो कॉल से खुद को उद्योगपति मुकेश अंबानी बताया और कंपनी में 10 लाख निवेश करने पर 40 करोड़ वापसाका झांसा दिया। ठगों ने अमिताभ बच्चन का नाम लिया।

अभिषेक ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी ने आंखों के इलाज को विदेश जाने की अनुमति नहीं देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने याचिका यह कहते हुए खारिज की थी कि वे एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल स्थिति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे।

बेंगलुरु में 5 स्टार होटलों में छापेमारी

बेंगलुरु। कर्नाटक फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की टीम ने बेंगलुरु के 6 बड़े-बड़े 5 स्टार होटलों में छापेमारी की। यहां फूड सुरक्षा नियमों के उल्लंघन हुआ। यहां एक्सपायरी डेट के बाद भी खाने की चीजें रखी मिली। विभाग ने 250 किलो मीट, 207 किलो सब्जियां, 32 लीटर दूध, 3 किलो बेकरी प्रोडक्ट्स को नष्ट किया।

पार्किंग की दीवार गिरी 10 गाड़ियां तबाह

नई दिल्ली। इस वक्त की बड़ी खबर राजधानी दिल्ली से आ रही है। यहां दिल्ली के देवली में भारी बारिश की वजह से एक प्राइवेट पार्किंग की दीवार ढह गई। इस हादसे में 10 से ज्यादा गाड़ियों मलबे में दबकर बुरी तरह तबाह हो गई हैं। इस घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि इस घटना में गाड़ियों को काफी नुकसान हुआ है। यहां पानी निकलने का रास्ता नहीं था।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर गिनाए नियम, परिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया और इसकी जरूरत बताई

प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस, सीखने वाला ही सदा आगे बढ़ेगा

एजेसी ►नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने डिग्री पाने वाले छात्रों को बधाई दी और उनसे देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से अधिक छात्रों को डिग्री दी गई। छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। लगातार सीखने वाला ही आगे बढ़ेगा। छात्राओं के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कुछ बेटियां मेधावी छात्राएं होतीं, तो स्थिति और भी बेहतर होती।इस समय छात्र अपने भविष्य को लेकर कई चीजों के बारे में सोच रहे होंगे। इनमें करियर, वेतन, नए शहर में जाना और अपना स्टार्टअप बातें शामिल हो सकती हैं। पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनोपत परिसर में 'परम प्रज्ञा' नाम की एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, एडवांस कंप्यूटिंग आदि हैं।



प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए

आईआईटी दिल्ली की ओर से पीएम मोदी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया

शानदार प्रदर्शन करने वालों को पदकों से नवाजा

प्रधानमंत्री ने शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए। इनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्ण पदक शामिल हैं।

मले ही रास्ते, सपने अलग हों लेकिन एक भावना समान होनी चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर किसी का अपना अलग रास्ता और सपने होते हैं, लेकिन एक भावना तो सभी में समान होनी चाहिए- आईआईटी दिल्ली में अपना पहला दिन और आज का दिन। ओरिएंटेशन से लेकर दीक्षांत समारोह तक की अपनी यात्रा से आप सभी संतुष्ट महसूस कर रहे होंगे।

दोस्तों और शिक्षकों के योगदान को याद रखें

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें आईआईटी दिल्ली में पढ़ाई के दौरान साथ देने वाले दोस्तों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग उनके सफर का अहम हिस्सा रहे हैं और भविष्य में जब छात्र पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें कैपस के साथ-साथ इन लोगों की भी याद आएगी।

भविष्य में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह में मौजूद हर विद्यार्थी के मन में आने वाले कल की अपनी तस्वीर होगी। नए अध्याय की शुरुआत को लेकर उत्साह सभी के मन में समान है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस पल को पूरी तरह जीने की अपील की और कहा कि भविष्य में जब जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, तो यही यादें उन्हें अतीत की ओर ले जाएंगी।

चुनौतियों को अवसर में बदलें

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और कोई नहीं बता सकता कि आज से 20-30 साल बाद परिस्थितियां कैसी होंगी। हालांकि, बदलती दुनिया और तकनीक नए अवसर भी लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि जो सीखेगा, वही जीतेगा। जो लोग नई परिस्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को अवसर में बदल देते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी दिल्ली में विद्यार्थियों ने यही सीख हासिल की है।

देश को लामान्वित करें

प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में वही व्यक्ति सफल होगा, जो लगातार सीखता रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 30-35 वर्षों में युवा जो कुछ करेंगे, वह विकसित भारत की यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए युवाओं के हर निर्णय का आधार यह भी होना चाहिए कि उससे देश को क्या लाभ होगा और देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी।

बैठक के सियासी मायनों पर टिकी नजरें

मुलाकात को बड़ी रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा

एजेसी ►नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा काफी खास माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सीएम योगी की दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात को बड़े राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

पीएम मोदी से मिले सीएम योगी, दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को और ‘गरमाया’

केंद्रीय गृहमंत्री से मिले अरुण भारती



सियासी गलियारों में पारा चढ़ा

सियासी गलियारों में मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है।

आयुध कारखाने की भी बात रखी

भारती ने बताया कि शाह से उनके संसदीय क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत हुई। खास तौर पर क्षेत्र में आयुध कारखाना स्थापित करने के विषय को उन्होंने गृह मंत्री के सामने रखा।

गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती

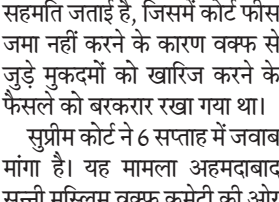
कोर्ट फीस के बिना वक्फ केस को खारिज कर दिया

एजेसी ►नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है, जिसमें कोर्ट फीस जमा नहीं करने के कारण वक्फ से जुड़े मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6 सप्ताह में जवाब मांगा है। यह मामला अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका पर सुनवाई जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने की।

यह है पूरा मामला

गुजरात राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल ने पर्याप्त कोर्ट फीस जमा नहीं होने के आधार पर कार्यवाही स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके खिलाफ वक्फ संस्थाओं ने गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में इन याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि वक्फ संस्थाओं को कोर्ट फीस से पूरी तरह छूट नहीं मिली हुई है।



सिद्धिविनायक चढ़ावा मामले पर बोले मुख्यमंत्री फडणवीस अधिकारी 5 साल के रिकॉर्ड की जांच करें और इसकी रिपोर्ट जल्द पेश भी की जाए

एजेसी ►मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी की पूरी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने 5 साल के सभी दस्तावेज की जांच करने का निर्देश दिया है। ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने फडणवीस से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री को 2023 से 2026 के बीच मंदिर में चढ़ावे की राशि का पूरा ब्योरा दिया था।



राज ठाकरे ने लगाया था आरोप

यह आदेश मनसे प्रमुख राज ठाकरे के आरोपों के बाद आया है। राज ठाकरे ने आरोप लगाया था कि मंदिर के चढ़ावे से हर साल करीब 18 करोड़ रुपए का गबन किया जा रहा है। इसके बाद मंदिर के 9 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था।

बदरीनाथ केस में तीसरी गिरफ्तारी

बदरीनाथ धाम के चर्चित चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हिमाचल प्रदेश निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है, जो धाम के पास लामबाड़ स्थित जेपी पावर वेंचर्स की जल विद्युत परियोजना में सुरक्षा गार्ड था।

प्रयागराज में ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में बोले नेता प्रतिपक्ष राहुल

दर्द, डेटा और दौलत की बात की, यूथ को सर्वोपरि बताया

एजेसी ►प्रयागराज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि यूथ के सामने कोई कुछ नहीं है। मैं दर्द, डेटा और दौलत की बात करूंगा। युवाओं ने देश को रास्ता दिखाया है। युवाओं ने डर का सामना किया और डर को बाहर किया। राहुल ने इसे छात्रों की गूंज के कैप्शन के साथ पोस्ट किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा वोट चोरी करवाती है। हर संस्था में आरएसएस प्रचारक बिठाए गए। भारत में रोजगार के सारे दरवाजे बंद हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान के पास युवा है और सबसे अधिक डेटा युवाओं के पास है, आपके डेटा के बिना एआई का कोई मतलब नहीं।



हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद

राहुल ने कहा कि समस्या ये है कि छात्र पढ़ाई करते हैं, पैसा खर्च करते हैं, लेकिन हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद किए हुए हैं। आज दुनिया में आपके मेड इन चाइना, मेड इन बांग्लादेश दिखाएंगे, लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखाएंगे। इसकी वजह नोटबंदी और जीएसटी को लागू करना है।

1000 युवाओं में सिर्फ 12 को नौकरी

राहुल ने कहा कि एक ऐसा समय था जब इलाहाबाद देश का सबसे अच्छा यूनिवर्सिटी थी। आज मैं आपसे दर्द, डेटा और दौलत पर बात करने आया हूं। हिंदुस्तान में दुनिया का सबसे बड़ा यूथ पावर है। ये देश की स्ट्रेंथ है। अमेरिका, रूस और चीन की बात होती है। इंडिया के यूथ के आगे ये सब कुछ नहीं है। देश में एक हजार युवाओं में से सिर्फ 12 को परमानेंट नौकरी मिलती है।

करोड़ों रुपए लेकर दिए जा रहे सर्टिफिकेट लेकिन नौकरी नहीं

राहुल ने कहा कि शिक्षा के लिए आपके परिवारों से करोड़ों रुपए लिया जाता है, फिर सर्टिफिकेट दिया जाता है लेकिन ये सर्टिफिकेट आपको नौकरी नहीं दिलाता। यहां पेपर लीक हो जाता है। अमीर बच्चा पेपर खरीद लेता है। राहुल ने कहा कि आप पढ़ाई करते हो, मेहनत करते हो, पैसा खर्च करते हो लेकिन नौकरी नहीं मिलती।

संसद में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दी जानकारी, आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी सीमापार आतंकवाद और शत्रुता रहने तक पाकिस्तान के साथ सामान्य नहीं होंगे संबंध

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले को कुल करीब 8 साल का वक्त बीत चुका है। लेकिन आज तक भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास पूरी तरह से दूर नहीं हुई है।

इस तथ्य की पुष्टि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते दिनों संसद में की है। जिसमें उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध सीमापार आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा रहित माहौल में ही



पूरी तरह से सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस मामले में भारत का यही मजबूत पक्ष है। जो आज भी बरकरार है। लोकसभा में हंगामे के बीच विदेश मंत्रालय के कुछ मौखिक प्रश्नों के जवाब सदन के पटल पर रखते हुए उनकी ओर से दी गई यह जानकारी दी

गई है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल लगातार सीमापार आतंकवाद की नीति पर चलता रहा है। बल्कि वह इसे भारत के खिलाफ अपनी राज्य नीति के एक हथियार के रूप में भी इस्तेमाल करता रहा है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल लगातार सीमापार आतंकवाद की नीति पर चलता रहा है। बल्कि वह इसे भारत के खिलाफ अपनी राज्य नीति के एक हथियार के रूप में इस्तेमाल भी करता रहा है।

पीओके में घुसकर बोला हमला

बताते चलें कि 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कुल 40 जवान शहीद हो गए थे। जिसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को नियंत्रण रेखा पार कर बालाकोट एयरस्ट्राइक की थी। जिसमें भारतीय वायुसेना के जंगी विमानों जैसे मिराज-2000 ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकाने को नेस्टनाबूद कर दिया था।

भारत ने चीना एमएफएन का दर्जा

विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलवामा हमले के बाद ही भारत ने पाकिस्तान से सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) का दर्जा छीन लिया था। साथ ही पाकिस्तान से निर्यात के जरिए आने वाली सभी वस्तुओं पर 200 फीसदी सीमा शुल्क लगा दिया था। यह भारत का ऐसा करारा प्रहार था। जिसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने नई दिल्ली के खिलाफ कुछ एकतरफा कदम उठाए। जिनमें राजनयिक संबंधों में गिरावट और भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाना मुख्य रूप से शामिल है।

पहलगाम के बाद भारत ने की सख्ती

वहीं, दूसरी ओर भारत ने पिछले साल एक बार फिर से पाकिस्तान की शह पर किए गए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई कड़े कदम उठाए हैं। जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना, अटारी चेक पॉइंट को बंद करना, वीजा पारबंदियां सहित देश में पाकिस्तानी मिशन में राजनयिकों की उपस्थिति को गौण करना मुख्य है। आतंकवादी हमलों की प्रतिक्रिया में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी अड्डों नष्ट किया है।

किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं करेंगे

इन सबके बीच भारत ने पाकिस्तान को दो दृढ़ अंदाज में यह बता दिया है कि सीमापार आतंकवाद और वहां मौजूद आतंकी ठिकानों के प्रति उसकी तरफ से कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। देश के नागरिकों की रक्षा उसके के लिए किसी भी तरह की धमकी को नई दिल्ली बर्दाश्त नहीं करेगी। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी।

औपचारिकताओं में चलते संबंध

जयशंकर ने यह भी बताया कि वर्तमान में दोनों देशों की राजधानियों में कूटनीतिक मिशन की मौजूदगी बनी हुई है। जिसमें दोनों पक्षों के बीच सिर्फ कामकाजी गतिविधियां ही जारी हैं। सैन्य अभियान महानिदेशकों के स्तर की बातचीत यानी डीजीएमओ, बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षणों से पहले किया जाने वाला अधिसूचनाओं का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों और एक-दूसरे के देश में मौजूद कैदियों की सूची को आपस में बांटा जाना गतिविधियों का हिस्सा है।

खबर संक्षेप

समय से 20 दिन पहले रोकी गई अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर। समय से 20 दिन पहले ही अमरनाथ यात्रा रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के



चलते रास्ते खराब हो जाने की वजह से यह फैसला लिया गया है। अब केवल जो जल्थे में हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थों को नहीं भेजा जाएगा। अभी तक 4.8 लाख श्रद्धालु बाबा अमरनाथ की यात्रा कर चुके हैं। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते यह निर्णय लिया।

कनाडा से 3,323 भारतीयों को वापस भेजा

ओटावा। कनाडा ने 2026 के पहले छह महीनों में 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेजा है।



इसके साथ ही यह संख्या पिछले छह साल के सर्वाधिक आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है। कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के अनुसार 2025 में पूरे साल में निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 3,779 थी जबकि इस साल के शुरूआती छह महीनों में ही 3,323 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। अब तक सबसे अधिक भारतीय वर्ष 2025 में निकाले गए थे।

सुंदर कटवाल ब्रिटेन के कम्युनिटी फंड बोर्ड में

लंदन। भारतीय मूल के लेखक और थिंक टैंक 'ब्रिटिश पप्पुचर' के संस्थापक सुंदर कटवाला को ब्रिटेन के नेशनल



लॉटरैरी कम्युनिटी फंड के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। यह देश की प्रमुख विचारधारा संस्थाओं में से एक है, जो आकर्षक अहवनों के जरिए सामुदायिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद करती है। कटवाला ने इस सप्ताह अपनी नई जिम्मेदारी संभाली है। 'हाउ टू बी ए पैट्रियट' के 52 वर्षीय लेखक चार साल के कार्यकाल के दौरान अस्थायी डेम जूलिया के साथ मिलकर काम करेंगे।

नई दिल्ली पर 100% टैरिफ लगाने का अमेरिकी सांसदों ने किया विरोध

दोनों देशों की साझेदारी होगी प्रभावित रूस और चीन के करीब आएगा भारत

एजेंसी ►►नई दिल्ली

अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक को पारित कर दिया, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने के मामले में भारत, चीन और तीन अन्य देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। अब यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में जाएगा। प्रतिनिधि सभा की बैठक 31 अगस्त को दोबारा शुरू होने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। कानून बनने के लिए इस बिल को प्रतिनिधि सभा से भी मंजूरी मिलना जरूरी है। इसके बाद इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी पर यह कानून बन जाएगा।

बिल राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। हालांकि, इस बिल को लेकर अब अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। बता दें, अमेरिकी संसद में शुक्रवार को जो विधेयक पेश किया गया, उसका नाम ट्रंप के पूर्व करीबी और दिवंगत रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ओ ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जो कि इस बिल के रचयिता भी थे। इसे लिंडसे ओ ग्राहम सैंकशनिंग रशिया एंड ईरान एक्स ऑफ 2026 नाम से पेश किया गया। अमेरिकी सीनेट ने इसे बहुमत से पारित किया। इसके पक्ष में 86 वोट और विपक्ष में महज 11 वोट पड़े। 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंकशनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को भारी बहुमत से मंजूरी दी है।

रैंड पॉल के मुताबिक, अमेरिका अपने एक अहम रणनीतिक साझेदार को रूस और चीन के और करीब धकेल सकता है। उनके मुताबिक, भारत को दंडित करने की नीति आर्थिक नुकसान के साथ-साथ अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को भी कमजोर कर सकती है

भारत-अमेरिका संबंधों पर एडेगा नकारात्मक असर

अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति कमजोर हो जाएगी

यह कदम पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा: पॉल

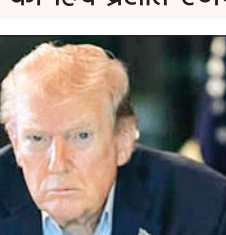
ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि यह कदम अमेरिका के लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारत-अमेरिका संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिका अपने एक अहम



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ बढ़ेंगे तनाव: रॉन

वहीं, सीनेटर रॉन विडेन ने भी टैरिफ संबंधी प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अमेरिका के आर्थिक और



कूटनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे महत्वपूर्ण सहयोगी देशों के साथ संबंधों में अनावश्यक तनाव भी बढ़ सकता है।

राष्ट्रपति को इतनी शक्ति देना ठीक नहीं

इस प्रस्ताव को लेकर सिर्फ रिपब्लिकन पार्टी में ही मतभेद नहीं हैं। कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने भी राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने की व्यापक शक्तियां देने पर चिंता जताई है। उनका सवाल है कि अगर राष्ट्रपति को वैश्विक व्यापार पर इतने बड़े फैसले लेने की शक्ति मिलती है, तो इसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था पर पड़ सकता है। यानी भारत वाला मुद्दा अब अमेरिकी घरेलू राजनीति में भी बहस बन चुका है।

5 साल तक लागू रहेगा विधेयक

इस विधेयक में क्वाइट हाउस ने व्यापक छूट का प्रावधान करवाया है, जिससे राष्ट्रपति के पास ढंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का काफी व्यापक अधिकार रहेगा। बिल में 1996 के ईरान प्रतिबंध अधिनियम को भी 2031 तक बढ़ाने का प्रावधान है। नए टैरिफ लगाने का यह अधिकार पांच साल तक लागू रहेगा। इस कानून के तहत ईरान के साथ कारोबार करने वाली और अमेरिकी कंपनियों पर सेकेडरी आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाते हैं। यह कानून इसी साल समाप्त होने वाला था। बिल राष्ट्रपति को अमेरिका में आयात होने वाले रूसी सामान पर 500 फीसदी का व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार भी देता है।

18 दिनों तक दोनों देशों की वायुसेनाओं ने लिया भाग

डार्विन और टिडल एयरबेस पर किया गया आयोजन



हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

दुनिया के कई भागों में चल रहे सैन्य संघर्षों के चिंताजनक दौर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ पिच ब्लैक युद्धाभ्यास-2026 सफलता के साथ संपन्न हो गया है। इस वर्ष इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया में किया गया था। कुल 18 दिनों यानी 20 जुलाई से 7 अगस्त तक का समय तय किया गया था। भारत समेत दुनिया के करीब 20 देशों के 100 से ज्यादा विमान और 4 हजार से अधिक सैन्यकर्म युद्धाभ्यास का हिस्सा बने।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने किया आश्वस्त

तेल की कोई कमी नहीं, हमारे पास हमेशा 60 दिनों का कवर

एजेंसी ►►नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने इस वर्ष की शुरुआत में होमुज स्ट्रेट बंद होने से आपूर्ति में आई रुकावटों से उपभोक्ताओं को अलग-अलग स्रोतों से आपूर्ति, रिफाइनिंग क्षमता में बढ़ोतरी और घरेलू उत्पादन बढ़ाने जैसे कदम उठाकर सफलतापूर्वक बचाया। पुरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध से पहले भारत अपना आधा कच्चा तेल उन देशों से आयात करता था जो होमुज स्ट्रेट के रास्ते का इस्तेमाल करते थे।

साथ ही 90 प्रतिशत एलपीजी (रसोई गैस) और 60 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का आयात इसी रास्ते से होता था। लेकिन भारत ने अपने स्रोतों में विविधता लाकर देश में कहीं भी ईंधन की कमी नहीं होने दी। पुरी ने प्रभाव में 1,07,000 से अधिक फ्यूल रिटेल आउटलेट के नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि एक भी स्टेशन पर ईंधन खत्म नहीं हुआ। हमें कभी भी कच्चे तेल की आपूर्ति की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। हमारे पास हमेशा लगभग 60 दिनों का स्टॉक (कवर) था, कोई कमी नहीं हुई।



केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी

अब 41 देशों से आ रहा कच्चा तेल

पुरी ने बताया कि भारत ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 कर लिया है, अपने फ्यूल रिटेल नेटवर्क को 2014 में लगभग 52,000 से बढ़ाकर लगभग 1,07,000 कर लिया है और शहर में गैस वितरण के दायरे को 55 मीनोपल क्षेत्रों से बढ़ाकर 309 कर दिया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से आयात में कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया। अमेरिका एलपीजी की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। आज भारत के एलपीजी आयात का लगभग 67 प्रतिशत अमेरिका से होता है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आपूर्ति में सुधार के बावजूद भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अनिश्चितता बनी हुई है।

रूस और वेनेजुएला से होगी ऊर्जा सुरक्षा

भारत एक तरफ रूस के आर्कटिक इलाके से एलएनजी मंगाने और और दूसरी तरफ वेनेजुएला के दो बड़े ब्लॉकों का परिचालन अपने हाथ में लेने की तैयारी कर रहा है। रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडको ने बताया कि भारत आर्कटिक क्षेत्र में तेज-गैस विकास और नॉर्डन ली स्ट्रेट में सहयोग बढ़ाने में गहरी रूचि दिखा रहा है। वेनेजुएला के नए कानून के तहत आप्रवासी सैन किस्टचल और कारोबारों- 1 तेल ब्लॉकों के परिचालन नियंत्रण का समझौता करने जा रही है।

32 वायुकर्मियों में 8 अग्निवीर भी शामिल

‘राष्ट्रीय युद्ध स्मारक’ पर आज होगी वायुसेना के बैंड की शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

अगले सप्ताह मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व में रविवार को यहां भारतीय वायुसेना के बैंड की शानदार प्रस्तुति होगी। जिसमें वह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के परम योद्धा स्थल और पब्लिक प्लाजा में अपनी प्रस्तुति से आमजन को मंत्रमुग्ध कर देंगे। 9 अगस्त को शाम 5 से 6 बजे तक कुल एक घंटे का कार्यक्रम होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व में न केवल वायुसेना बल्कि दो अन्य सशस्त्र सेनाओं जैसे सेना और नौसेना के बैंड भी अपनी संगीतमय प्रस्तुति देंगे।



भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

पीएम मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर की बातचीत

एजेंसी ►►नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार देर रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदारी को प्रमुख क्षेत्रों में और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया। हमने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदारी को प्रमुख क्षेत्रों में और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस को

12वीं बैठक आयोजित

भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक आयोजित

एजेंसी ►►नई दिल्ली



यह बातचीत भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के बीच हुई है। दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा और लोगों के बीच आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर जताई प्रतिबद्धता

रेलवे नेटवर्क, ड्रोन, एसजे-100 विमानों और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए दोनों देश

एजेंसी ►►नई दिल्ली

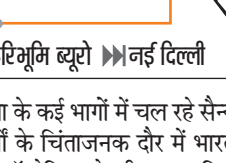


फाइल फोटो
पुत्र की प्राप्ति पर बधाई दी और पूरे परिवार को शुभकामनाएं दीं। यह बातचीत भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के बीच हुई है। दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा और लोगों के बीच आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए

विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उप समूहों के कार्यों की समीक्षा

एजेंसी ►►नई दिल्ली



भैठक के दौरान अमरदीप सिंह भाटिया और अलेक्सी गुजदेव

एयरो-इंजन और नैरो बॉडी जेट विमान बनाएंगे

इसके साथ ही मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), 3-डी प्रिंटिंग तकनीक, रूस के एसजे-100 क्षेत्रीय विमान के उत्पादन और एयरो-इंजन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एसजे-100 एक नैरो-बॉडी जेट विमान है, जिसमें लगभग 103 यांत्रियों को ले जाने की क्षमता है। दोनों देशों के बीच कार्बन फाइबर तकनीक,

प्रोपल्शन सिस्टम, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की आपूर्ति, औद्योगिक स्वचालन (ऑटोमेशन) तथा महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर भी बात हुई। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए दोनों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संपन्न हुआ पिच ब्लैक युद्धाभ्यास

भारत से हुई राफेल की गर्जना

पिच ब्लैक एक द्विपक्षीय युद्धाभ्यास है। इसका आयोजन हर दो साल में एक बार किया जाता है। भारत से इसमें मार्गदर्शक करने के लिए साढ़े पार पीढ़ी का उन्नत बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल ऑस्ट्रेलिया गया था। नई दिल्ली से वायुकर्मियों के दस्ते को ऑस्ट्रेलिया पहुंचाने के लिए विशालकाय सी-17 परिवहन विमान का इस्तेमाल किया गया था।



पूरा हुआ मिशन- वायुसेना

वायुसेना ने अपनी पोस्ट में मिशन पूरा, आकाश पर काबू और साझेदारीय मजबूत जैसे तीन खास छंटे वाक्यों का प्रयोग किया है। साथ ही यह भी बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान प्रत्येक मिशन, संपर्क की मदद से रणनीतियों, प्रक्रियाओं और पेशेवर उत्कृष्टताओं में पारस्परिक रूप से लाभ मिला है। पूरी कवायद में वायुसेना ने तमाम साझेदार देशों की वायुसेनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बहुराष्ट्रीय हवाई अभियानों का बखूबी संचालन किया।

ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा आवेदकों के लिए खुशखबर

डिजीलॉकर और एआईआरआई के बीच डील दस्तावेज सत्यापन में आएगी तेजी, होगी राहत

एजेंसी ►►नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों के लिए दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया अब अधिक तेज, सुरक्षित और पेपरलेस होने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन ने एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलियन एजुकेशन प्रिजेंटेंटेटिव्स इन इंडिया (एआईआरआई) के साथ मिलकर 'एआईआरआई वेरिफाई' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह प्लेटफॉर्म डिजीलॉकर के साथ सीधे एकीकृत होकर छात्रों के शैक्षणिक, पहचान और वित्तीय दस्तावेजों का सहमति-आधारित और स्रोत-सत्यापित सत्यापन उपलब्ध कराएगा।

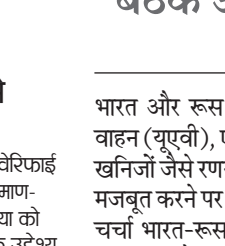


दो चरणों में होगा सत्यापन

नई डिजिटल व्यवस्था को दो प्रमुख चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में 'स्ट्रुटेड चेक' होगा, जो विश्वविद्यालय में आवेदन शुरू होने से पहले किया जाएगा। दूसरे चरण में 'रफ़ाइनर चेक' होगा, जो छात्र को प्रवेश प्रस्ताव मिलने के बाद उसकी वित्तीय स्थिति और प्रायोजन संबंधी दस्तावेजों की प्रामाणिकता की जांच के लिए शुरू किया जाएगा।



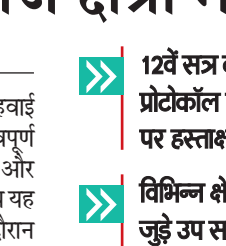
कागजी प्रक्रिया से छुटकारा
एआईआरआई वेरिफाई को छात्रों की प्रमाण-पत्र जांच प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके जरिए छात्र अधिकृत संस्थानों द्वारा जारी डिजिटल दस्तावेज सीधे सुरक्षित तरीके से साझा कर सकेंगे। इससे भौतिक दस्तावेजों पर निर्भरता और मैन्युअल सत्यापन की जरूरत कम होगी।



भारत और रूस ने रेलवे परिवहन, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एसजे-100 क्षेत्रीय विमान और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच यह चर्चा भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक के दौरान हुई। यह बैठक भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग के तहत गठित आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग कार्य समूह के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित की गई। बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया, जबकि रूसी पक्ष की ओर से रूस के उद्योग एवं व्यापार उपमंत्रि अलेक्सी गुजदेव ने सह-अध्यक्षता की।



इसके साथ ही मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), 3-डी प्रिंटिंग तकनीक, रूस के एसजे-100 क्षेत्रीय विमान के उत्पादन और एयरो-इंजन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एसजे-100 एक नैरो-बॉडी जेट विमान है, जिसमें लगभग 103 यांत्रियों को ले जाने की क्षमता है। दोनों देशों के बीच कार्बन फाइबर तकनीक,



प्रोपल्शन सिस्टम, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की आपूर्ति, औद्योगिक स्वचालन (ऑटोमेशन) तथा महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर भी बात हुई। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए दोनों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।



भैठक के दौरान अमरदीप सिंह भाटिया और अलेक्सी गुजदेव



लिथियम का खनन करेंगे
लिथियम खनन, टाइटेनियम तकनीक, एल्यूमीनियम क्षेत्र, खनन उपकरण विभाग और दुर्लभ मूल्य तत्वों की खोज में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में 11वें सत्र के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई और आधुनिकीकरण, खनन, उर्वरक तथा रेलवे परिवहन से जुड़े विभिन्न उप-समूहों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। बैठक के दौरान रेलवे क्षेत्र में नए अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। लिथीयम रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर जुड़ने का विकास, वंदे भारत ट्रेन परियोजना से जुड़े विषय प्रमुख रहे।



भैठक के दौरान अमरदीप सिंह भाटिया और अलेक्सी गुजदेव

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को दी मात



एजेसी ॥ मौंट्रियल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरौस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

आंद्रीवा के खिलाफ आसानी से बढ़त बनाई



फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी। लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहेड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सीड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली।

मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना : फर्नांडीज

फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूं। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूं।

अभ्यास मैच : श्रीलंका इलेवन ने पहली पारी में 363 रन बनाकर की घोषित पडिक्कल के शतक से भारत का पलटवार, पंत-जायसवाल पल्लोप

एजेसी ॥ कोलंबो

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाले अभ्यास मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाज, जहां बैकफुट पर नजर आए, वहीं दूसरे दिन बड़े-बड़े बैटर्स तो नहीं चले, लेकिन देवदत्त पडिक्कल का बल्ला जरूर गरजा।

भारत के लिए इंजर्ड रहने वाले शुभमन गिल बैटिंग करने नहीं आए तो साईं सुदर्शन भी इंजरी के चलते बैटिंग नहीं कर सके। जबकि जायसवाल, पंत और जुरेल कुछ खास नहीं कर सके। हालांकि, साईं की जगह नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने शतकीय (142 रन) पारी खेली, जिससे भारत ने तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन के अंत तक 8 विकेट पर 357 रन बनाए और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 363 रन बनाए थे। अब ये अभ्यास मैच डॉ की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है और तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज फिर से अपना जलवा दिखाना चाहेंगे।



पडिक्कल ने खेली शानदार पारी

पहले दिन श्रीलंका ने 8आठ विकेट पर 363 रन बनाए और इसके बाद दूसरे दिन फिर श्रीलंका ने पारी घोषित कर दी, जिसके चलते श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहली पारी में 363 रन ही बनाए। इसके बाद भारत के लिए ओपनिंग करने आए यशस्वी जायसवाल कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ दो गेंद में शून्य पर चलते बने। जायसवाल के बाद हालांकि केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। तभी राहुल 67 गेंद में 5 चौके और एक छक्के से 40 रन बनाकर चलते बने।

भारत को झटका, सुदर्शन हुए श्रीलंका दौरे से बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शनिवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज साईं सुदर्शन पैर के अंगुठे में लगी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए। साईं को स्ववाद में चुना गया था, लेकिन साथ में जानकारी दी गई थी कि फिट होने पर ही वह खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। साईं सुदर्शन चोट के कारण भारतीय टीम के साथ श्रीलंका नहीं गए थे। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। साईं को भारत ए के श्रीलंका दौरे पर चोट लगी थी।

सुदर्शन ने दो टेस्ट मैचों में दो शतक जड़े थे। श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरे मैच में उन्हें चोट लगी थी। साईं सुदर्शन से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल का चोटिल होना भी चिंता का विषय है। भारतीय कप्तान दारु हाथ की रिग फिंगर में चोट के कारण श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच में पहले दिन फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। दूसरे दिन वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

एनसीसी के साथ साझेदारी से विकसित होंगे फीडर सेंटर: मंत्री विश्वास सारंग

हरिभूमि न्यूज ॥ मोपाल

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग की अध्यक्षता में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में घुड़सवारी खेल के विकास एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न हुई।

देश में पहली बार मध्यप्रदेश द्वारा घुड़सवारी खेल के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार की पहल की गई है, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित घुड़सवारी प्रशिक्षकों, अंतर्राष्ट्रीय



खिलाड़ियों, विशेषज्ञों तथा शासकीय एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मंत्री सारंग ने कहा कि सेमिनार में प्राप्त सुझावों के आधार पर मध्यप्रदेश में घुड़सवारी खेल के लिए फीडर सेंटर की व्यवस्था विकसित करने शीघ्र पहल की जाएगी। इसके लिए सेना एवं एनसीसी की विंग के साथ साझेदारी

कर उनके प्रशिक्षण केंद्रों को फीडर सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। इन केंद्रों पर खिलाड़ियों को घुड़सवारी की बेसिक ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाएगी तथा इसके बाद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मप्र राज्य घुड़सवारी अकादमी में एडवांस एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे प्रदेश में प्रतिभाओं की पहचान से लेकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने तक प्रभावी प्रशिक्षण तंत्र विकसित होगा। घुड़सवारी खेल को प्रदेश में और अधिक लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से भोपाल में शीघ्र ही स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध भारत को झटका, चोट के कारण ‘द हंड्रेड’ से बाहर हुई जेमिमा



एजेसी ॥ नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदरन ब्रेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) के कारण मौजूदा ‘द हंड्रेड’ क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है।

सदरन ब्रेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा को जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर

चाली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदरन ब्रेव ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण ‘द हंड्रेड’ से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चाली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा हम आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं।’ 25 वर्षीय जेमिमा ने ब्रेव की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा।

महिला टी20 एशिया कप 28 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें भारत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। जेमिमा के पास इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक फिट होने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय है।

खंड - I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय- हरदा (सामान्य) वनमण्डल, मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या. 5512/ई-टेंडरिंग/2026-27

दिनांक 5-08-26

1- वनमण्डलाधिकारी हरदा (सामान्य) वनमण्डल द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्याकार निधि (भौतिक)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
01	लोहे का गेट डबल पल्ला अधिकतम 113 कि.ग्रा. लीखाई, पुताई सहित एवं लोहा बोर्ड (साईज 3x6)	15000.00	राशि 500.00

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/केश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर (दिनांक 06 अगस्त 2026 बजे प्रातः 10.00 से दिनांक 26 अगस्त 2026 तक बजे 6.00 तक केवल ऑनलाइन खरीद सकते हैं)।
- ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 21 अगस्त 2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 1.00 बजे तक को हरदा (सामान्य) वनमण्डल कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं भाग ले सकते हैं। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगे जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे हैं।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्ध पत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल <https://www.mptender.gov.in>

वनमंडल अधिकारी

जी - 16887/26

स्वच्छता ही सेवा

हरदा (सामान्य) वनमण्डल

सैंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल ने एसजीएफआई जिला प्रतियोगिता जीतकर बढ़ाया मान

भोपाल। सैंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल, पिपलानी की अंडर-14 बास्केटबॉल टीम ने द सेज स्कूल, कोलार (भोपाल) में आयोजित एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। कोच राजकुमार के मार्गदर्शन में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने कोच राजकुमार और पूरी विजेता टीम को बधाई दी। पूरे स्कूल परिवार के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू अर्जन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन								
- :: सार्वजनिक सूचना :: -					दिनांक 23.07.2026			
प्रकरण क्रमांक 00 / अ-82/2026-27 चूंकि राज्य शासन को प्रतीत होता है कि निम्न अनुसूची में खाने (1) से (6) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (8) में उनके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पडने की संभावना है। उक्त प्रयोजन हेतु प्रकरण में मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र क्रमांक एफ 12-2/2014/सात/शा 2 ए भोपाल दिनांक 12 नवम्बर 2014 के द्वारा प्रतिपादित आपसी सहमति से भूमि क्रय की नीति के तहत कार्यवाही प्रचलित है। अतएव निम्न दर्शित भूमि धारकों से परियोजना के लिये राज्य सरकार से संबंधित विभाग / उपक्रम में पक्ष में क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह नियत अवधि (सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर) में आधार सहित प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।								
- :: अनुसूची :: -								
भूमि का वर्णन								
क्र.	भूमि स्वामी का नाम	ग्राम का नाम	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा हे. में	अर्जित रकबा हे. में	प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन	
01	02	03	04	05	06	07	08	
01	जितेन्द्र सुशीलाबाई / शंकरलाल	ध्याज	190	0.624	0.154	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग रायसेन	बेगमगंज सागर मार्ग (SH- 86 A) से महुआखेडाकलां, गोरखा, पडरिया राजाधारा, से सिलवानी सागर (SH-15) मार्ग निर्माण	
02	पंचमसिंह पुत्र छोटेलाल दांगी		48/3	0.113	0.008			
03	रूपसिंह पिता गोपालसिंह दांगी		48/2	0.097	0.008			
04	भगवानसिंह पुत्र गोपालसिंह दांगी		48/1	0.097	0.013			
05	शिवराजसिंह पिता हजारी लाल दांगी		49/1	0.032	0.032			
06	रूपसिंह भगवानसिंह/गोपालसिंह दांगी		50	0.053	0.008			
07	माखनसिंह पिता हजारीलाल दांगी		51/1	0.088	0.034			
08	वीरेन्द्र पिता हजारीलाल दांगी		51/2	0.086	0.038			
09	हीरेन्द्र पिता हजारीलाल दांगी		53(54)	0.101	0.004			
10	जितेन्द्र सुशीलाबाई / शंकरलाल		186	0.113	0.027			
11	जितेन्द्र सुशीलाबाई / शंकरलाल		185	0.113	0.006			
12	मनीष, मुकेश / विष्णु प्रसाद		168/1/1	1.163	0.012			
13	रघु पुत्र रामबाबू दुवे		168/2/1/1/1	0.534	0.036			
14	अर्चना ठाकुर / साहबसिंह		168/2/2/1	1.009	0.150			
15	नितिन पिता मोहन साहू		244/1	0.706	0.008			
16	चन्द्रकांता बेवा शंभूदयाल		256	1.185	0.230			
17	भगतसिंह पुत्र पूरनसिंह लोधी		258	0.219	0.002			
18	देवीसिंह पिता बालकिशन खंगार		250/2/3	0.405	0.076			
19	अंकुर पुत्र अशोक कुमार जैन		250/2/2	0.405	0.037			
20	अंकुर पुत्र अशोक कुमार जैन		250/2/1/1	0.506	0.031			
21	अंकुर पुत्र अशोक कुमार जैन		250/2/1/2/1	0.101	0.007			
22	अल्पा पति अंकुर जैन मिता पति आकाश जैन		250/2/1/2/2	1.011	0.059			
23	प्रथम सिंह पिता श्यामलाल लोधी		250/3	0.045	0.012			
24	कृपाराम पिता बालकिशन खंगार		267/1/1	1.206	0.083			
25	देवीसिंह पिता बालकिशन खंगार		267/1/2	1.101	0.004			
26	अंकुर पुत्र अशोक कुमार जैन		267/2/1/2	1.497	0.006			
27	आकाश पिता अशोक कुमार जैन		267/2/1/1	0.405	0.005			
28	प्रथम सिंह पिता श्यामलाल लोधी		261	0.028	0.016			
29	अमित कुमार पिता शम्भूदयाल		243/1/1	2.396	0.100			
30	अनीताबाई पति सुरेश साहू		243/2/1/1	3.160	0.089			
31	सौरभ पुत्र भगवानदास नेमा		167/1	1.619	0.025			
32	श्यामबाबू पिता भगवानदास नेमा		167/3	1.489	0.060			
33	कल्याणसिंह पिता बाबूलाल खंगार		250/1/1	0.518	0.060			
34	शाहीन / राशिद मीर		255/1/2/1/1	0.682	0.082			
35	गार्गीबाई/ हरिकेश		255/1/2/2	0.607	0.081			
36	कल्याणसिंह पिता बाबूलाल खंगार		255/2	0.202	0.040			
37	कल्याणसिंह पिता बाबूलाल खंगार		255/3	0.627	0.062			
38	बलराम पुत्र खिलानसिंह लोधी		259/2	0.809	0.033			
39	भगतसिंह पुत्र पूरनसिंह लोधी		266/1	2.036	0.004			
40	भगतसिंह पुत्र पूरनसिंह लोधी		253(254)	2.121	0.004			
				29.309	1.746			
राक्षम प्राधिकारी (भू अर्जन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुविभाग बेगमगंज जिला - रायसेन								
जी - 16839/26								
स्वच्छता ही सेवा								

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ मुंशुस प्रादक

मशरूम पाउडर

आपके नज़दीकी सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध! Available at: www.mushroomworld.com amazon flipkart

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में अस्तर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली



रॉकिंग स्टार यश का टॉक्सिक ट्रेलर आउट

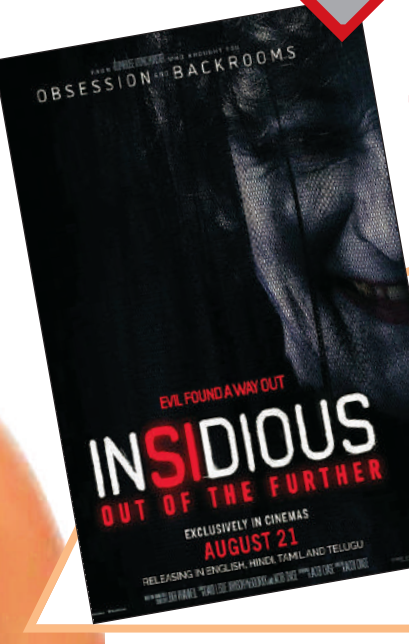
मुंबई। काफी इंतजार के बाद आखिरकार टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का ट्रेलर आ गया है, जो एक ऐसे फैले हुए दुनिया की पहली झलक देता है, जहाँ कैओस का टकराव कैओस से होता है, वफादारियाँ टेस्ट होती हैं और हर किरदार अपनी अलग कहानी लेकर चलता है। रॉकिंग स्टार यश की अगुवाई में ये ट्रेलर टॉक्सिक को एक बड़े स्केल वाली, लार्जर दैन लाइफ



हॉलीवुड मसाला

21 अगस्त को रिलीज होगी इनसिडियस...

लॉस एंजेलिस। इनसिडियस फ्रैंचाइजी अब तक की सबसे सफल और चिरस्थायी हॉरर सीरीज में से एक बन चुकी है, जिसने दुनियाभर में 740 मिलियन डॉलर से भी अधिक की कमाई की है। जैकब चास निर्देशित, इनसिडियस आउट ऑफ द फर्दर को 21 अगस्त को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भारत भर के सिनेमाघरों में रिलीज करेगा। इनसिडियस आउट ऑफ द फर्दर में एमिलिया इव जेम्मा की भूमिका निभा रही है, जो अपनी बेटी को उसी घर में पाल रही है, जहाँ वह खुद बड़ी हुई थी। जब उसे पता चलता है कि वह द फर्दर इनसिडियस दुनिया के केंद्र में मौजूद खोई हुई आत्माओं का रहस्यमयी लोक में जा सकती है, तो उसे एक भयावह सच्चाई का सामना करना पड़ता है।



टॉम-जैडैया ने की दूसरी बार सीक्रेड वेडिंग

लॉस एंजेलिस। टॉम हॉलैंड और एक्ट्रेस जैडैया ने छिटेन में दूसरी बार गुपचुप शादी कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी शादी में 6 करोड़ 40 लाख रुपये खर्च हुए। स्पाइडर मैन बने टॉम हॉलैंड प्रोफेशनल लाइफ में सफलता पाने के साथ-साथ पर्सनल लाइफ में भी खुशियाँ बटोर रहे हैं। उन्होंने अपने घर इंग्लैंड में एक्ट्रेस जैडैया के साथ दोहारा शादी रचाई। ये सीक्रेट वेडिंग करीब 3 दिनों तक बीवरवुड एस्टेट में चली, जो टॉम के घर किंगस्टन अपॉन थेम्स से ज्यादा दूर नहीं थी। रिपोर्ट अनुसार, टॉम-जैडैया की शादी में इंडियन रुपये के हिसाब से 6 करोड़ 40 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में किसी को फोन लाने की इजाजत नहीं दी गई थी। हॉलीवुड कपल ने अपनी शादी में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, काइली जेनर, और टिमोथी चालमेट जैसे जाने-माने चेहरों को इन्वाइट किया था।



लाइफStyle

भूमि पेडनेकर असम के शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंची थीं। उन्होंने वहां पहुंचकर राहत सामग्री लोगों को बांटी। इसके अलावा सोशल मीडिया के जरिए इस काम में लोगों को तैयार किया। साथ ही पैस से असम बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए दान देने की अपील की।



असम बाढ़ के लिए आई आगे

एजेसी ► मुंबई

अपने इंस्टाग्राम पेज पर बाढ़ प्रभावितों की मदद करते हुए एक वीडियो भूमि पेडनेकर ने पोस्ट किया है। इसके अलावा एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी लगाई है, जिसमें उनकी गाड़ी बाढ़ वाले पानी में चल रही है। इस पोस्ट के साथ वह लिखती हैं, 'यह मुश्किल है। आपको इसे अनुभव करना होगा, जिससे आप समझ सकें कि इसका असर कितना गहरा है। मैं एडमिनिस्ट्रेशन और सभी वॉलंटियर्स को सलाम करती हूँ क्योंकि वह बाढ़ से प्रभावित होने के बावजूद 24 घंटे काम कर रहे हैं।

भूमि पेडनेकर के साथ इस मुहिम में भारत डिजास्टर रिलीफ फाउंडेशन के वॉलंटियर भी शामिल थे। यह संस्था जुलाई के आखिर से शिवसागर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कर रही है। यह संस्था प्रभावित समुदायों को भोजन, जरूरी सामान और दूसरी जरूरी सहायता पहुंचा रही है। साथ ही रिकवरी और पुनर्वास के काम में भी मदद कर रही है।

भूमि पेडनेकर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' का हिस्सा बनी हैं। इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी।



स्वरा डेंगू के चपेट में शेयर की तस्वीरें

मुंबई। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर हाल ही में डेंगू की चपेट में आने वाली सेलिब्रिटी बन गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है। स्वरा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अस्पताल से अपनी एक तस्वीर शेयर की और अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है। अभिनेत्री ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि वह नीली सफेद ड्रेस में हैं। उनके हाथ में बिको लगा है। वह अपने हाथ से विकट्री का निशाान बना रही हैं। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'सब कुछ कितनी तेजी से हो गया। डेंगू हो गया और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।' हालांकि उन्होंने अपने लक्षणों या अस्पताल में रहने की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन उनके छोटे से बयान से फॉलोअर्स को उनकी हालत के बारे में पता चल गया।



ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही 'गवर्नर'

मुंबई। मनोज बाजपेयी की फिल्म 'गवर्नर' अब आप ओटीटी पर देख पाएंगे। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। इसे मेकर्स ने जून 2026 में थियेटर्स में रिलीज किया था। फिल्म में 1991 के आर्थिक संकट को बयां किया गया है। इसमें दिखाया गया है कि विपरीत हालातों में गवर्नर रमन कैसे देश को मुश्किल हालात से बाहर निकालते हैं। प्राइम वीडियो ने 7 अगस्त को फिल्म 'गवर्नर' के एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर का ऐलान किया। यह फिल्म भारत के इतिहास के एक खास चैप्टर को पर्दे पर जीवंत करती है, जिसकी कहानी 1991 के देश के आर्थिक संकट पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन चिन्मय डी. मंडलेकर ने किया है और इसका निर्माण सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने किया है। फिल्म में अहम भूमिका में मनोज बाजपेयी हैं। उनके साथ अदा शर्मा और नौशाद मोहम्मद कुंजू नजर आएंगे। भारत के आर्थिक इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर पर आधारित 'गवर्नर' की कहानी आरबीआई के नवनिर्वाचित गवर्नर रमनन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें देश को दिवालिया होने से बचाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है।



क्लीयर रिकन के लिए Clearwin Gel

ANTI ACNE GEL

9896134500 www.wellncare.com



लता मंगेशकर की आवाज, आरडी बर्मन के संगीत ने बनाया गाने को कालजयी

51 साल पुराना गाना : जलते पत्थरों और कांच पर हेमा का यादगार डांस

मुंबई। हिंदी सिनेमा में कुछ गाने ऐसे हैं, जो सिर्फ सुने नहीं जाते। उनकी पिक्चराइजेशन ऐसी है कि वे दर्शकों के दिल और यादों में हमेशा के लिए बस चुके हैं। पर्दे पर कलाकारों की अदाकारी, भावनाएं और संगीत का मेल उन्हें एक अलग पहचान दे देता है। एक गाने ने 51 साल पहले पर्दे पर रोमांस, दर्द और जुनून का कुछ ऐसा ही नजारा पेश किया था। आज भी इस गाने की धुन सुनते ही दर्शकों के सामने एक शानदार अदाकारा का वो खास अंदाज याद आ जाता है, जब उन्होंने अपने किरदार के लिए ऐसा परफॉर्म किया था कि हर कोई हैरान रह गया था। धर्मेन्द्र के लिए फिल्माया गया यह सीन आज भी बॉलीवुड के सबसे यादगार पलों में गिना जाता है। यह गाना शोले फिल्म का 'जब तक है जान' है।



स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बढ़ती उम्र के लिए लाभदायक

विडंग, गोखरू व नागकेशर युक्त

सिद्धायु - बैद्यनाथ का भरोसा

मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें: 844 844 4935



Blend of 8 effective Ayurvedic Oils

Dr. Juneja's **डा.ऑर्थो** Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

ज्योतिष्मती तेल: जोड़ों में सूजन की समस्या को कम करने में मदद करता है।

गन्धपुरा तेल: जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों के दर्द और गठिया में सहायक।

निर्गुण्डी तेल: नसों के दर्द और जोड़ों के दर्द में फायदेमंद है।

तारपीन तेल: जोड़ों में सूजन और दर्द के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

पुदीना तेल: पुराने जोड़ों के दर्द की स्थिति में अत्यधिक फायदेमंद है।

कपूर तेल: विभिन्न जोड़ों के दर्द में बहुत उपयोगी है।

तिल तेल: मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है।

अलसी तेल: जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन को कम करता है।

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को जड़ से कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लंबे समय तक बना रहता है। मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान